प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in | email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News | @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 231 | दिनांक : वीरवार, 27 अगस्त 2026 | पन्ने- 10 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

सुविचार

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर मेहनत, अनुशासन और धैर्य ही सफलता की असली कुंजी हैं।

पसिंदु-कमिंदु ने कोलंबो टेस्ट में कराई श्रीलंका की वापसी...

» पृष्ठ 7 पर

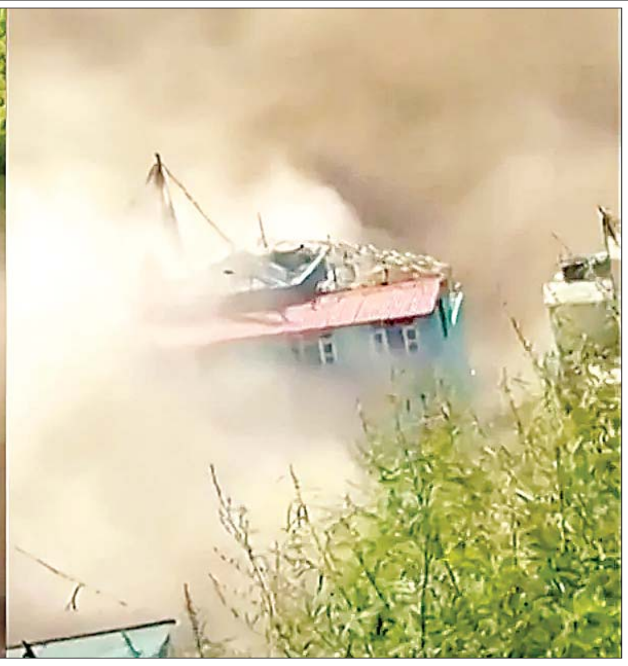

नेपाल में जलप्रलय, 160 की मौत; सैकड़ों लापता

■ भोटेकोशी नदी में अचानक आया सैलाब, गांव और प्रोजेक्ट साइटें बहीं

■ नेपाल में तबाही के बाद भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ, राहत-बचाव अभियान तेज

» प्रथम न्यूज । काठमांडू

26 अगस्त (एजेंसी)

नेपाल के रसुवा जिले में चीन की सीमा से सटे इलाके में बुधवार को भोटेकोशी नदी में अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। अचानक बढ़े जलस्तर के कारण कई गांवों और प्रोजेक्ट साइटों में पानी और मलबा घुस गया। हादसे में कम से कम 160 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि सैकड़ों लोगों के लापता होने की खबर है। बड़ी संख्या में वाहन, सामान और अन्य संपत्तियां भी बाढ़ की चपेट में आकर बह गईं।

स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब नौ बजे भोटेकोशी नदी का जलस्तर अचानक तेजी से बढ़ा। नेपाल सेना के मुताबिक रसुवा जिले के तिमुरे और आसपास के स्याफ्रुबेसी इलाकों में बाढ़ ने व्यापक नुकसान पहुंचाया। चीन की सीमा से लगे इस क्षेत्र में अचानक आए सैलाब ने लोगों को संभलने तक का मौका नहीं दिया। बाढ़ के पानी के तिब्बत की ओर से आने की बात सामने आई है। हालांकि, इस अचानक आई बाढ़ के सटीक कारणों और पानी के स्रोत को लेकर विस्तृत जांच की जा रही है। तेज बहाव के चलते नदी किनारे मौजूद कई संरचनाओं और परियोजना स्थलों को नुकसान पहुंचा है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नेपाल सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर नेपाल सेना, आर्म्ड पुलिस फोर्स और नेपाल पुलिस के जवानों को रसुवा तथा आसपास के प्रभावित इलाकों में तैनात किया गया है। सुरक्षाबल लापता लोगों की तलाश, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और राहत सामग्री उपलब्ध कराने में जुटे हैं।

नेपाल में आई इस आपदा का असर भारत के सीमावर्ती इलाकों पर भी पड़ने की आशंका है। बिहार में गंडक नदी के जलप्रवाह पर नजर रखी जा रही है और प्रशासन को अलर्ट किया गया है। भारत ने नेपाल में राहत एवं बचाव प्रयासों में सहायता की पेशकश भी की है। इस बीच लापता लोगों की संख्या और नुकसान का आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन की प्राथमिकता मलबे और तेज बहाव के बीच फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना है। लापता विदेशी नागरिकों में 133 भारतीय, 37 एनआरआई तथा अमेरिका, ब्रिटेन, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के नागरिक बताए गए हैं। टिमुरे बॉर्डर पोस्ट पर तैनात नौ पुलिसकर्मियों के भी लापता होने की सूचना है। बाढ़ की चपेट में आने से रसुवा की एक प्रमुख हाइड्रोपावर परियोजना पूरी तरह तबाह हो गई है। वहीं धाडिंग और नुवाकोट में कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचने की खबर है। कई इलाकों में संपर्क मार्ग टूटने से राहत और बचाव अभियान प्रभावित हुआ है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने प्रभावित रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, गोरखा और चितवन के सांसदों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। बैठक में बाढ़ से हुए नुकसान, नदी किनारे बसी बस्तियों की स्थिति तथा राहत-बचाव अभियान तेज करने पर चर्चा हुई। नेपाल में आई बाढ़ का असर भारत के सीमावर्ती बिहार और उत्तर प्रदेश में भी दिखने लगा है। दोनों राज्यों के कई जिलों में प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर निगरानी बढ़ा दी है।

सीएम योगी ने दिए निर्देश

सीएम योगी ने कहा कि नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ से हुई क्षति अत्यंत चिंताजनक है। भगवान पशुपतिनाथ से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना है। इसके प्रभाव से उत्तर प्रदेश के जनपद महाराजगंज और कुशीनगर में गंडक व नारायणी नदियों के जलस्तर में वृद्धि और बाढ़ की संभावना के दृष्टिगत स्थानीय प्रशासन को पूर्ण सतर्कता बरतने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी ने मदद की पेशकश की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में आई बाढ़ में हुई मौतों पर दुख जताया और बचाव व राहत कार्यों के लिए भारत की ओर से मदद की पेशकश की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से बात की और बाढ़ से हुए जान-माल के नुकसान पर दुख जताया। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाई-बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी टीमें बचाव और राहत कार्यों के लिए मिलकर काम कर रही हैं।

14 हेलीकॉप्टर तैनात, हेल्पलाइन नंबर जारी

नेपाल सरकार ने राहत और बचाव कार्य के लिए 14 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। हालांकि, टिमुरे में स्थानीय हेलीपैड के बह जाने के कारण राहत टीमों को उतरने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। आपातकालीन सहायता के लिए नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने **हेल्पलाइन नंबर (1234, 1144, और 9851289445)** जारी किए हैं।

भारतीय दूतावात ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

काठमांडू में भारतीय दूतावास ने आज नेपाल में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद और जानकारी के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए हैं (+977 985 131 6807, +977 970 910 7500)।

ग्लेशियल झील का फटना रहा फ्लेश फ्लड की वजह

नेपाल के स्थानीय प्रशासन के अनुसार, रसुवा क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान मात्र 7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसलिए इस भीषण बाढ़ का कारण स्थानीय बारिश नहीं, बल्कि तिब्बत के ऊपरी हिस्से में स्थित किसी ग्लेशियल झील का फटना माना जा रहा है।

बिहार के 8 जिलों में खतरा

नेपाल के त्रिशूली और गंडक कैचमेंट एरिया में जलस्तर के खतरनाक स्तर तक पहुंचने के बाद बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग ने गंडक नदी में 3 मीटर तक ऊंची फ्लैश फ्लड वेव आने की चेतावनी दी है।

इसे देखते हुए बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में पश्चिमी चंपारण (बेतिया), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर शामिल हैं।

वहीं बिहार में बाढ़ के खतरे को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से फोन पर बातचीत की। गृह मंत्री ने संभावित संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए NDRF को संगठित किया जा रहा है। बिहार के जल संसाधन विभाग ने गंडक बैराज के सभी फाटकों को खोलने और नहरों में पानी प्रवाहित करने का निर्देश दिया है। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और बेतिया में हष्ठत्रस्न और स्ष्ठत्रस्न की टीमों को तैनात और स्टैंडबाय पर रखा गया है।

जिलाधिकारियों को निचले इलाकों से लोगों को निकालने, कम्युनिटी किचन और राहत शिविर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में भी निगरानी तेज

नेपाल में आए उफान का असर उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में भी देखा जा रहा है। महराजगंज, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर और कुशीनगर में रोहिन, गंडक और अन्य सहायक नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। यूपी प्रशासन ने नेपाल सीमा से सटे सभी निचले इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है और ग्रामीणों को नदियों के पास न जाने की सलाह दी है।

भारत ने नेपाल में भेजी मदद

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ट्वीट किया, नेपाल में आई भयानक बाढ़ से निपटने में मदद के लिए 10 टन HADR मदद और जरूरी दवाइयां भेजीं। हमारी प्रार्थना दुखी परिवारों और सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस चुनौती का सामना करते हुए, भारत नेपाल और उसके लोगों के साथ खड़ा है।

नेपाल में जलप्रलय : कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 400 श्रद्धालु संपर्क से बाहर, युद्ध स्तर पर शुरू खोज अभियान

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

26 अगस्त (एजेंसी)

नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार सुबह आई भयंकर फ्लैश फ्लड के बाद तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे करीब 400 तीर्थयात्री संपर्क से बाहर हो गए हैं। इनमें ज्यादातर भारतीय हैं और 93 नेपाली भी शामिल हैं।

काठमांडू पोस्ट के अनुसार, काठमांडू स्थित टच कैलाश ट्रैवल्स एंड टूर्स के प्रबंध निदेशक बासु कुमार अधिकारी ने बताया कि 390 तीर्थयात्री बुधवार को सीमा पार करने वाले थे। उन्होंने कहा कि कुछ को छोड़कर दोपहर 3 बजे तक हम ज्यादातर यात्रियों से संपर्क स्थापित नहीं कर पाए हैं।

ये तीर्थयात्री विभिन्न यात्रा एजेंसियों के ग्राहक हैं। सम्राट टूर्स एंड ट्रैवल्स के 71, लीफ हॉलिडेज के 55, काठमांडू हॉलिडेज के 17, कैलाश जर्नी के 31, एक्सप्लोर वेकेशन के 7, ट्रेकर्स सोसाइटी के 92, रिचा टूर्स के 12, फिशटेल टूर एंड ट्रैवल्स के 27, हिमालयन ग्लेशियर के 62 और अल्पाइन इको ट्रेक के 16 ग्राहक प्रभावित बताए गए हैं।

ट्रेकिंग एजेंसीज एसोसिएशन ऑफ नेपाल के अध्यक्ष सागर पांडे ने कहा कि यात्रियों से संपर्क स्थापित करने और उनकी स्थिति का आकलन करने के प्रयास जारी हैं।

बाढ़ ने रसुवागढ़ी क्षेत्र में बस्तियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया।

नेपाल-चीन सीमा पर सड़कें और अन्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे तिब्बत की ओर प्रमुख मार्ग बाधित हो गया। तीर्थयात्री बुधवार को सीमा पार कर तिब्बत की ओर जाने की तैयारी में थे, तभी अचानक बाढ़ आ गई।

संक्षिप्त न्यूज

रक्षा बंधन पर किडनी दान करने वाले भाई-बहनों को किया सम्मानित

मोहाली (जगमीत घुम्मन)– रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर बुधवार को एडिसन अस्पताल, मोहाली में उन भाई-बहनों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने किडनी दान कर परिजनों को जीवनदान दिया। बॉन्ड्स ऑफ लाइफ कार्यक्रम में अंगदाता भाई-बहनों के साहस और निस्वार्थ भावना की विशेष सराहना की गई। बताया गया कि जीवित रहते हुए अंगदान किसी व्यक्ति को नया जीवन और बेहतर स्वास्थ्य का अवसर प्रदान करता है।

मुख्य रीनल ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अर्जिंदर सिंह बैंस, नेफ्रोलॉजिस्ट एवं ट्रांसप्लांट फिजिशियन डॉ. तरुणा, यूरोलॉजिस्ट डॉ. निपुण गुप्ता और एडिसन की फैसिलिटी डायरेक्टर रुपिंदर कौर ने 6 डोनर-रिसीपिएंट भाई-बहनों के जोड़ों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में डोनर-रिसीपिएंट भाई-बहनों ने अपनी भावनात्मक यात्रा साझा की। डॉ. अर्जिंदर सिंह बैंस ने कहा कि किडनी ट्रांसप्लांट सिर्फ सर्जिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि जिंदगी को मिला दूसरा मौका है। भाई या बहन द्वारा किडनी दान करना रक्षा बंधन की भावना का सुंदर उदाहरण है। आधुनिक तकनीकों के कारण जीवित किडनी दान सुरक्षित है और प्राप्तकर्ता को सामान्य जीवन जीने का अवसर मिलता है। बरनाला की 38 वर्षीय कुलविंदर कौर ने बताया कि भाई को किडनी फेलियर होने पर उसकी जिंदगी बचाने के लिए किडनी देना उनके जीवन का सबसे संतोषजनक काम था। आज दोनों स्वस्थ और सक्रिय सामान्य जीवन जी रहे हैं। कुलदीप कौर ने कहा कि भाई को सप्ताह में तीन बार डायलिसिस पर देखना पीड़ादायक था। मैचिंग डोनर बताए जाने पर उन्होंने बिना सोचे किडनी देने का फैसला किया। उन्होंने इसे अहसान नहीं, बल्कि अपना कर्तव्य बताया।

ब्रह्माकुमारी आश्रम के प्रतिनिधिमंडल द्वारा तहसीलदार हरजोत सिंह को बांधी गई पवित्र राखी

होशियारपुर, (तरसेम दीवाना) – भाई-बहन के अपार पवित्र प्रेम और आपसी जुड़ाव के प्रतीक पवित्र त्योहार रक्षाबंधन के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, शिव दर्शन भवन, कमालपुर, होशियारपुर के आश्रम द्वारा लगातार मानवता और आध्यात्मिक संदेश फैलाने के कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत आज आश्रम की प्रमुख हस्तियों बी.के. चंद्र दीदी और बी.के. रानी दीदी के नेतृत्व में एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार होशियारपुर हरजोत सिंह से उनके कार्यालय में विशेष मुलाकात की।

?इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा तहसीलदार हरजोत सिंह के कलाई पर पवित्र राखी बांधी गई, जो आपसी प्रेम, सद्भावना और नेक कर्मों का संदेश देती है। इसके साथ ही उन्हें आध्यात्मिक प्रसाद और ज्ञान से भरपूर धार्मिक साहित्य भी आदर सहित भेंट किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार हरजोत सिंह ने ब्रह्माकुमारी परिवार द्वारा समाज में आध्यात्मिकता, शांति और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भरपूर प्रशंसा की और उनका धन्यवाद किया।

इस पवित्र और खुशी भरे अवसर पर आश्रम की ओर से बी.के. ज्योति दीदी, बी.के. रविंदर दीदी, मधु, तरुना, मनजीत सिंह लकी सहित आश्रम के कई अन्य प्रमुख भाई-बहन भी विशेष रूप से उपस्थित थे, जिन्होंने मिलकर आपसी भाईचारे को और मजबूत करने का संदेश दिया।

मनुष्य को दूसरों पर दोष मढ़ने के बजाय अपने भीतर झांक कर कर्मों की पड़ताल करनी चाहिए : डॉ. आशीष सरीन

होशियारपुर,(तरसेम दीवाना) – प्रकृति का नियम और हिसाब बड़ा सीधा व अटल है। यहां न किसी की सिफारिश चलती है और न ही छल-कपट या धन-दौलत का कोई विशेष अर्थ होता है। इंसान अपने बोलों, अपने नित्य के व्यवहार, अपने अहम फैसलों और सबसे अधिक अपने कर्मों द्वारा रोजमर्रा की जिंदगी के खेत में कुछ न कुछ बो रहा होता है, और समय आने पर वही बीज फसल का रूप धारण कर उसके सामने आ खड़े होते हैं। हमारे जीवन के बहुत सारे दुख और संताप हमारे अपने ही बोए हुए बीजों का नतीजा होते हैं। असली बुद्धिमानी इस बात में है कि बुरी फसल हाथ लगने पर सिर्फ मौसम, हालात या किस्मत को दोष देने के बजाय, इंसान एक बार अपने अंदर झांके और अपने पिछले कर्मों की पड़ताल करे। दुनिया से लड़ना आसान हो सकता है, पर अपने ही अंदर झांकना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने आगे कहा कि कर्मों का हिसाब केवल सजा भुगतने का नाम नहीं है, बल्कि यह अपने आप को सुधारने और नई शुरुआत करने का एक सुनहरा मौका भी प्रदान करता है। यदि आज हमें एहसास हो जाए कि हमारे पास से कोई गलत बीज बोया गया था, तो इसका हरगिज यह मतलब नहीं कि हमारी पूरी जिंदगी खत्म हो गई है। आज से ही नए और अच्छे बीज बोए जा सकते हैं, किसी से धोखा न करने का प्रण लिया जा सकता है और अपनी बोली में मिठास और नरमी लाई जा सकती है।

रंगला पंजाबः वरसोला के बाबा गुज्जा पीर छिंज मेले में उमड़ा जनसैलाब, पहलवानों ने दिखाया खेल कौशल

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
26 अगस्त (संदीप सन्नी)

पंजाब सरकार द्वारा युवाओं को खेलों की ओर प्रोत्साहित करने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत गांव वरसोला में बाबा गुज्जा पीर छिंज मेला का भव्य आयोजन किया गया। गांव वरसोला की पंचायत और बाबा गुज्जा पीर सांस्कृतिक क्लब द्वारा आयोजित इस दंगल मेले में पंजाब और हरियाणा के नामी पहलवानों ने अपने कुश्ती कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और अपने स्वैच्छिक कोष से गांव के विकास कार्यों के लिए 5 लाख रुपये देने का ऐलान किया।

छिंज मेले आपसी भाईचारे की प्रतीक, मकौड़ा पत्तन पुल के लिए 100 करोड़ रुपये का टेंडर जारी- ई.टी.ओ.

-विकास योजनाएं- कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने बताया कि राज्य भर में 45,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने घोषणा की कि मकौड़ा पत्तन पर पुल निर्माण के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा 100 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है और पुल निर्माण का टेंडर (निविदा) भी लगा दिया गया है।

-सरकारी नीतियां- उन्होंने पंजाब सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि 600 यूनिट मुफ्त बिजली के कारण 90 फीसदी घरों के बिल शून्य आ रहे हैं। शिक्षा, 10 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा योजना और नहरों के पानी को खेतों तक पहुंचाने जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, खेड़ां वतन पंजाब दीयां से युवाओं में भरा नया जोश

सराहना व विचार – छिंज मेले के दौरान छिंदा शौंकी, पंजाब कौर और ज़ीनत कौर ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। डेरा बाबा नानक से विधायक गुरदीप सिंह रंधावा ने कहा कि सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है और इसी कड़ी में खेडां वतन पंजाब दीयां का चौथा संस्करण आयोजित किया जा रहा है।

धन्यवाद –हलका प्रभारी रमन बहल ने कैबिनेट मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरदासपुर क्षेत्र में बिजली, सड़कों और पुलों के विकास के लिए सरकार ने दिल खोलकर फंड दिए हैं।

इस अवसर पर मनदीप सिंह गिल, एसडीएम अशोक कुमार, वरसोला की सरपंच कुलविंदर कौर सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक और ग्रामीण उपस्थित थे। आयोजकों द्वारा सभी प्रमुख हस्तियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

मुकेश वर्मा ने संभाला ज़िला गाइडेंस काउंसलर का पदभार, विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गाइडेंस सेशन

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
26 अगस्त (संदीप सन्नी)

मुकेश वर्मा ने ज़िला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो, गुरदासपुर में ज़िला गाइडेंस काउंसलर के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर सहायक कमिश्नर जनरल (ज) कुलदीप चंद ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मार्गदर्शन और ब्यूरो को मजबूती देने की उम्मीद

-**प्रशासनिक भरोसा**– सहायक कमिश्नर कुलदीप चंद और ज़िला रोजगार अधिकारी नरेश कुमार ने उम्मीद जताई कि मुकेश वर्मा अपनी योग्यता और समर्पण से युवाओं को बेहतर करियर मार्गदर्शन देंगे।

पूर्व काउंसलर की सेवाएं– अधिकारियों ने पूर्व ज़िला गाइडेंस काउंसलर परमिंदर सिंह सैनी की सेवाओं की सराहना की। सेवानिवृत्त काउंसलर सैनी ने भी भविष्य में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पदभार संभालते ही प्रेरणादायक सत्र– पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद मुकेश वर्मा ने पीएम श्री सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गुरदासपुर और सुखजिंदर कॉलेज की नर्सिंग छात्राओं के साथ एक विशेष करियर गाइडेंस और मोटिवेशनल सेशन का आयोजन किया।

उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का साधन है।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कम्युनिकेशन स्किल्स, अंग्रेजी भाषा, डिजिटल ज्ञान और आत्मविश्वास को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया।

सेंट जोसेफ स्कूल में लोक नृत्य प्रतियोगिता से आया रंग, जोश और परंपरा का संगम

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
26 अगस्त (साहिब दयाल)

भराड़ीवाल के सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को लोक नृत्य प्रतियोगिता के दौरान संगीत लय और जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र भारत की समृद्ध लोक परंपराओं का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए। कक्षा 9, 10, 11 और 12 के विभिन्न वर्गों के छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने सहपाठियों व शिक्षकों की उत्साहित भीड़ के सामने जोशपूर्ण और अच्छी तरह से तैयार की गई प्रस्तुतियां दीं। छात्रों ने दर्शकों के रूप में बड़ी दिलचस्पी के साथ प्रस्तुतियां देखीं। प्रतिभागियों के उत्साह और सटीकता ने खूब तालियां बटोरीं, जबकि कई प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निदेशक फादर डोमिनिक और प्रधानाचार्य फादर सुरेश मैथ्यू ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और छात्रों के शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की। उन्होंने कलाकारों को उनके समर्पण, रचनात्मकता और आत्मविश्वास के लिए बधाई दी और उन्हें सांस्कृतिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग लेते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कर्नल पुष्प राज को विदाईः सैन्य सेवा और मानवता के लिए दिए योगदान को किया गया याद

तिब्बरी कैंट में 3 वर्ष से अधिक उत्कृष्ट सेवाएं देने पर कर्नल पुष्प राज के सम्मान में फेयरवेल डिनर

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
26 अगस्त (संदीप सन्नी)

तिब्बरी कैंट (गुरदासपुर) में तीन साल से अधिक समय तक शानदार सेवाएं निभाने वाले कर्नल पुष्प राज के सम्मान में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रोमेश महाजन द्वारा होटल आर.के. रीजेंसी में एक विशेष विदाई रात्रिभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कर्नल पुष्प राज की ईमानदारी, अनुशासन, उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता और भारतीय सेना के प्रति उनके बेमिसाल समर्पण की भरपूर सराहना की गई।

बाढ़ के दौरान निभाई सराहनीय भूमिका

पिछले वर्ष क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ के दौरान कर्नल पुष्प राज ने प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, उन्हें आश्रय देने और आवश्यक राशन व सामग्री उपलब्ध कराने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा मानवता की उत्कृष्ट मिसाल पेश की थी।

जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा व कल्याण में योगदान

मार्गदर्शन और प्रेरणा : कर्नल पुष्प राज और उनकी पत्नी डॉ. शैली बरवाल ने वंचित बच्चों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया। महाजन द्वारा वर्ष 2016 से संचालित प्रीलिमनरी एजुकेशन स्टडी सेंटर (मान कौर) के बच्चों को वे शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के लिए प्रेरित करते रहे।

सेना की यूनिट का दौरा : उन्होंने अध्ययन केंद्र के बच्चों को अपनी आर्मी यूनिट का दौरा करवाया, जहां बच्चों के लिए विशेष %गार्ड ऑफ ऑनर% का प्रबंध किया गया ताकि वे सैन्य जीवन और देश-सेवा की भावना से परिचित हो सकें।

डिजिटल शिक्षा हेतु कंप्यूटर भेंट : अपनी रवानगी से महज दो दिन पहले कर्नल पुष्प राज ने शिक्षा केंद्र के बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए एक ब्रांडेड कंप्यूटर सेट भी उपहार स्वरूप भेंट किया।

महाजन और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कर्नल पुष्प राज तथा डॉ. शैली बरवाल की समर्पित सेवा, मानवता और सामाजिक योगदान के लिए उनका सहृदय आभार व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉक्टरों का बड़ा शटडाउन : पंजाब के सरकारी अस्पतालों में ओ.पी.डी. सेवाओं पर कल रहेगा ताला!

» प्रथम न्यूज । बरनाला
26 अगस्त (हरिंदर निक्का)

पंजाब के सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने की योजना बना रहे लाखों मरीजों को कल भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि राज्यभर के सरकारी डॉक्टरों की एसोसिएशन ने ओ.पी.डी. सेवाओं और सर्जरी न करने का ऐलान किया है। इससे एक दिन के लिए सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप होने के आसार बन गए हैं।

पंजाब स्टेट मिनिस्टीरियल सर्विस यूनियन और साझा मुलाजिम मंच द्वारा चलाए जा रहे संघर्ष के समर्थन में उतरते हुए पी.सी.एम.एस. एसोसिएशन (PCMSA) ने भी 27 अगस्त को पूरे पंजाब के सरकारी अस्पतालों में ओ.पी.डी. (OPD) सेवाएं और इलेक्टिव सर्जरीज पूरी तरह शटडाउन रखने का एलान किया है। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉ. कंवलजीत सिंह बाजवा, उपाध्यक्ष डॉ. राज कुमार, महासचिव डॉ. करनदीप सिंह और संयुक्त सचिव डॉ. अंकुश जिंदल ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि राज्य कमेटी द्वारा बंद का समर्थन करने के लिए करवाई गई वोटिंग और जनरल बॉडी मीटिंग में समूह काडर ने एकजुट होकर इस हड़ताल के पक्ष में सर्वसम्मति से फैसला लिया है।

मुख्य मांगें

* पुरानी पेंशन योजना (OPS) को बिना शर्त तुरंत बहाल किया जाए
* डी.ए. (DA) की लंबे समय से लंबित बकाया किस्तों का निपटारा हो
* 7वें वेतन आयोग की विसंगतियों को जल्द से जल्द दूर किया जाए
* अनुबंध (ठेके), तदर्थ (एडहाक) और आउटसोर्स भर्तियों का सिलसिला बंद करके पक्की भर्ती की जाए

इमरजेंसी सेवाएं रहेंगी चालू

डॉ. कंवलजीत सिंह बाजवा ने बताया कि हड़ताल के बावजूद गंभीर मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि सामान्य इमरजेंसी, जच्चा-बच्चा सेवाएं, इमरजेंसी सर्जरीज, भर्ती मरीजों का इलाज, पोस्टमार्टम और मेडिको-लीगल कार्य पहले की तरह 24 घंटे चालू रहेंगे। एसोसिएशन के नेताओं ने उम्मीद जताई कि सरकार कर्मचारियों की इन जायज मांगों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए इन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द हल करेगी।

ऑस्ट्रेलियाई मरीज़ की अमनदीप अस्पताल में रोबोट से की गई सफल हिस्टेरेक्टॉमी

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
26 अगस्त (साहिब दयाल)

अमनदीप अस्पताल, उजाला सिग्नस के साथ पार्टनरशिप में एक ऑस्ट्रेलियाई महिला, जिसे हिस्टेरेक्टॉमी की ज़रूरत वाली एक परिस्थिति डायगनोज़ हुई थी उसने अपने इलाज के लिए अमनदीप हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. शेषांक महाजन और उनकी टीम पर भरोसा किया। हिस्टेरेक्टॉमी असल में यूट्रस को निकालना होता है।

कम से कम चीर-फाड़ वाली सर्जरी के स्पेशलिस्ट के लिए काफ़ी रिसर्च के बाद, मरीज़ ने डॉ. शेषांक महाजन को चुना। उन्होंनो इस तरीके के फ़ायदे बताए जिसमें कम दर्द कम से कम खून का नुकसान छोटे चीरे और नॉर्मल ज़िंदगी में बहुत जल्दी वापसी शामिल थी। मरीज़ ने अगले ही दिन रोबोटिक-असिस्टेड हिस्टेरेक्टॉमी सफलतापूर्वक करवाई। सर्जरी बिना किसी दिक्कत के हो गई और ऑपरेशन के बाद उसकी रिकवरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा आसान और तेज़ थी। अपना अनुभव बताते हुए, मरीज़ ने कहा, -मुझे एक ऐसी बीमारी का पता चला जिसके लिए मुझे हिस्टेरेक्टॉमी करवानी पड़ी। आज मैं पूरी तरह ठीक महसूस कर रही हूँ और बहुत तेज़ी से ठीक हो रही हूँ। उजाला साइन्स के साथ पार्टनरशिप में अमनदीप अस्पताल की डायरेक्टर डॉ. अमनदीप कौर' ने यह भी कहा, -यह केस हमारे कॉमन मिशन को दिखाता है कि एडवांस्ड रोबोटिक सर्जरी को सभी के लिए आसान और सस्ता बनाया जाए, साथ ही घरेलू और इंटरनेशनल मरीज़ों के लिए क्लिनिकल एक्सीलेंस और पेशेंट केयर के सबसे ऊंचे स्टैंडर्ड बनाए रखे जाएं।

जे.एम.के. इंटरनेशनल स्कूल में सावन पर्व पर श्री रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन

» प्रथम न्यूज । पठानकोट
26 अगस्त (अनुज धीमान)

जे.एम.के. इंटरनेशनल स्कूल में सावन माह के पावन पर्व के अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से श्री रुद्राभिषेक पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल चेयरमैन अनुज सूद, स्कूल चेयरपर्सन वंदना सूद एवं जेएमके इंटरनेशनल स्कूल शिमला के डायरेक्टर सोमांशु सूद ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम का आयोजन स्कूल डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल डॉ. नीरज मोहन पुरी की अगुवाई में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भगवान शिव की आराधना करते हुए '? नमः शिवाय' का गुणगान कर की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने शिव तांडव तथा श्री रुद्राभिषेक पर आधारित नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुति देकर उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों को अभिभावकों एवं अतिथियों ने खूब सराहा। इसके बाद गुरु जी द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ श्री रुद्राभिषेक पूजा-अर्चना करवाई गई। इस दौरान विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा और सभी ने भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि अनुज सूद, वंदना सूद एवं सोमांशु सूद ने कहा कि सावन माह भगवान शिव की आराधना का पवित्र अवसर है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कारों, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

स्कूल डायरेक्टर एवं प्रिंसिपल डॉ. नीरज मोहन पुरी ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, संस्कारों और आध्यात्मिक मूल्यों से भी जोड़ना है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना हमें संयम, समर्पण, सकारात्मकता और मानवता का संदेश देती है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये का अंशदान

शिमला, (वीना पाठक)– हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के उपाध्यक्ष विशाल चम्बयाल ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए आज यहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू को निगम की ओर से एक करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार का सहयोग आपदा एवं संकट की घड़ी में जरूरतमंद लोगों की सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से मुख्यमंत्री राहत कोष में उदारतापूर्वक अंशदान करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव के.के. पंत, सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले प्रियंका बसु इंगटी, प्रबंध निदेशक हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम राजेश्वर गोयल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मानवी संस्था ने बढ़ाया मदद का हाथ, 50 स्कूली बच्चों को मिले गर्म स्वेटर

शिमला, (वीना पाठक)– सर्दियों की दस्तक से पहले जरूरतमंद स्कूली बच्चों तक गर्म कपड़े पहुंचाने की पहल करते हुए मानवी संस्था ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़ाश, खुफ़टधार के 50 विद्यार्थियों को गर्म स्वेटर वितरित किए। संस्था की इस पहल से बच्चों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान देखने को मिली। विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश चंद शर्मा ने बच्चों की जरूरत को देखते हुए संस्था के समक्ष गर्म स्वेटरों की आवश्यकता रखी थी। इस पर मानवी संस्था ने पहल करते हुए सभी 50 बच्चों के लिए स्वेटर उपलब्ध करवाए। कार्यक्रम में बच्चों को मिठाइयां भी बांटी गईं।

संस्था के सदस्य किमी सूद ने कहा कि सेवा का वास्तविक उद्देश्य जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाना है। सर्दियों के दौरान बच्चों को ठंड से राहत मिले और वे बिना किसी परेशानी के स्कूल आ सकें, इसी भावना से यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि समाज में किया गया छोटा-सा सहयोग भी किसी जरूरतमंद के लिए बड़ी राहत और खुशी बन सकता है। इस सेवा कार्य में कुसुम, मंजू सूद, डॉ. किमी सूद, रानी कुकरेजा, मधु सूद और बीरमा चौहान ने सक्रिय सहभागिता निभाई। मानवी संस्था ने कहा कि भविष्य में भी जरूरतमंद बच्चों और लोगों की सहायता के लिए सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां जारी रखी जाएंगी।

राजकीय महाविद्यालय रे के बी.कॉम. प्रथम वर्ष का परिणाम शत-प्रतिशत; सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

फतेहपुर 26 अगस्त (ब्यूरो)– राजकीय महाविद्यालय रे ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करते हुए बी.कॉम. प्रथम वर्ष की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। 24 अगस्त को घोषित परीक्षा परिणाम में कॉलेज का परिणाम शत-प्रतिशत रहा और विशेष उपलब्धि यह रही कि सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। इस उत्कृष्ट परिणाम से कॉलेज परिसर में खुशी का माहौल है। विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और समर्पण के साथ-साथ महाविद्यालय के शिक्षकों का निरंतर मार्गदर्शन एवं शैक्षणिक सहयोग को इस सफलता का प्रमुख आधार माना जा रहा है। शानदार परिणाम ने पूरे महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। परिणाम में विक्रम सिंह ने 800 में से 613 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 8.11 एसजीपीए के साथ कॉलेज में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। मलिक राजू ने 529 अंक और 6.89 एसजीपीए के साथ द्वितीय स्थान, जबकि प्रिया कुमारी 512 अंक और 6.80 एसजीपीए के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की विशेष रूप से सराहना की गई। कॉलेज प्रशासन ने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी आगामी शैक्षणिक वर्षों में भी इसी लगन और मेहनत के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखेंगे।

यह उपलब्धि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अगले सत्र से एडमिशन फॉर्म में नहीं होगा जाति का कॉलम, मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

प्रदेश सरकार अनूसचित जाति के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध, मुख्यमंत्री ने हि.प्र. अनुसूचित जाति कल्याण बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 अगस्त (वीना पाठक)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अगले शैक्षणिक सत्र से एडमिशन फॉर्म में जाति का कॉलम खत्म करने के निर्देश दिए हैं। आज यहां हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज में जाति के नाम पर भेदभाव को खत्म करने का प्रयास कर रही है और समाज में आपसी भाईचारा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल के दाखिला फॉर्म में जाति का कॉलम खत्म करना इस दिशा में एक शुरूआत होगी ताकि बच्चे किसी हीन भावना से ग्रस्त न हों। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनुसूचित जाति समुदाय के लोग अपनी जाति का कॉलम भर सकेंगे ताकि उन्हें इन योजनाओं लाभ निर्बाध प्राप्त होता रहे। श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति समुदाय की समस्याओं का समाधान करने को प्राथमिकता दे रही है। वर्तमान सरकार ने इस समुदाय का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए अनेक योजनाएं आरम्भ की हैं और सभी पात्र व्यक्तियों को इसके बारे में जागरूक होना चाहिए ताकि वे इन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकें।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजीव गांधी स्टार्ट-अप स्वरोजगार सौर योजना के अन्तर्गत 100 किलोवाट से 2 मैगावाट तक परियोजनाएं लगाने के लिए राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्र में 5 प्रतिशत और अन्य क्षेत्रों में 4 प्रतिशत अनुदान प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख रुपये का ऋण भी उपलब्ध करवा रही है ताकि वे धन के अभाव में अपनी पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर न हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अति निर्धन परिवारों के लिए अपना परिवार सुखी परिवार योजना लागू करने जा रही है। इसके तहत इन परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली तथा इन परिवारों की महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह पेंशन दी जाएगी। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार 8,41,917 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान कर रही है। वृद्ध पुरूषों को 1000 रुपये, महिलाओं, दिव्यांगजनों, विधवाओं, परित्यक्ता/एकल महिलाओं को 1500 रुपये तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों तथा 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले नागरिकों को 1700 रुपये प्रति माह की दर से सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्त वर्ष में पैंशन योजना पर लगभग 1400 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं, बच्चों तथा वृद्धों के सामाजिक व आर्थिक उत्थान के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं पर इस वित्त वर्ष में लगभग 314.90 करोड़ रुपये तथा अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम पर 1105.37 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। बैठक में मुख्य सचिव के.के. पंत, विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव, सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सी.पी. वर्मा, निदेशक ईएसओएमएसए सुमित खिमटा, हिमाचल प्रदेश अनूसचित जाति कल्याण बोर्ड के गैर सरकारी एवं सरकारी सदस्य तथा वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीएम सुक्खू का बीजेपी पर तीखा प्रहार

एडमिशन फॉर्म से जाति कॉलम हटेगा और मेडिकल कॉलेजों में आउटसोर्स भर्तियों पर रोक

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 अगस्त (वीना पाठक)

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को लेकर शुरू हुआ विवाद दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। विपक्ष ने मुख्यमंत्री के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष को विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। वहीं विपक्ष को लेकर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने पहले गलती की है और अब उस गलती को सुधारने के लिए तरह-तरह की बातें कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राष्ट्रीय गान का अपमान किया है, क्योंकि राष्ट्रीय गान के बाद उस पर उंगली उठाना ही अपमान है। राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत दोनों कांग्रेस पार्टी की देन हैं, लेकिन सदन की परंपराओं का ध्यान न रखने के कारण आज भ्रमित भाजपा खुद को इस स्थिति में पा रही है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर उस समय मौजूद नहीं थे, लेकिन अब उन्होंने सवाल उठाया है, तो निश्चित रूप से भाजपा द्वारा राष्ट्रीय गान के किए गए अपमान के लिए हम जनता की अदालत में जाएंगे।

विपक्ष द्वारा प्रिविलेज (विशेषाधिकार) नोटिस दिए जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नोटिस तो चलता रहता है, उन्होंने झूठ बोला है और उनके खिलाफ भी जवाब दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि यह फैसला लिया गया है कि अगली बार से प्री-नर्सरी से लेकर कॉलेज तक जब भी बच्चों के एडमिशन फॉर्म भरे जाएंगे, तब उसमें जाति नहीं पूछी जाएगी। बच्चों के मन में स्कूल स्तर से ही हीन भावना भरना समाज के लिए अच्छा नहीं होता है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए आज जब उन्होंने कैबिनेट बैठक की, तो यह तय किया गया कि एडमिशन फॉर्म में जाति से संबंधित कोई कॉलम नहीं होगा।

केवल यह प्रावधान होगा कि यदि कोई व्यक्ति इस योजना से कोई लाभ लेना चाहता है, तभी उसे अपनी जाति का उल्लेख करना होगा। अन्यथा, सभी स्कूलों के एडमिशन फॉर्म और कॉलेज के प्रॉस्पेक्टस में बच्चों की हीन भावना को प्रदर्शित करने वाले जातिसूचक कॉलम को हटाने का यह ऐतिहासिक फैसला आज लिया गया है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मेडिकल कॉलेजों और सरकारी स्कूलों की व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले चरण में मेडिकल कॉलेजों में अब आउटसोर्स पर कोई नई भर्ती नहीं की जाएगी, हालांकि जो नियुक्तियां पहले से हो चुकी हैं और जो स्टाफ नर्सेस आदि काम छोड़कर चली गई हैं उनकी जगह भी आउटसोर्स से नए पद नहीं भरे जाएंगे.

अब केवल नियमित और स्कीम-बेस्ड भर्तियां ही की जाएंगी, ताकि आउटसोर्स कर्मियों का शोषण बंद हो सके और स्कीम-आधारित कर्मियों को राज्य चयन आयोग के माध्यम से आने वाले समय में नियमित करने में भी कोई असुविधा न आए.

इसके साथ ही, सरकारी स्कूलों और शिक्षकों की भर्ती पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि सीबीएसई स्कूलों के लिए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया बहुत तेजी से चल रही है, जिसके तहत सितंबर तक की समयसीमा तय की गई है. अंग्रेजी, गणित, जूलॉजी, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और म्यूजिक विषयों के शिक्षकों व प्राध्यापकों के परिणाम आ चुके हैं और इन स्कूलों में जल्द ही संगीत की कक्षाएं भी शुरू की जाएंगी. साथ ही, इंटरव्यू के जरिए चयनित हुए प्रधानाचार्यों और शिक्षकों की नियुक्ति भी जल्द सीबीएसई स्कूलों में सुनिश्चित की जाएगी.

हिमवीर जागृति मंच ने स्कूल में पर्यावरण बारे किय्या जागरूक

» प्रथम न्यूज । इंदौरा
26 अगस्त (ब्यूरो)

पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण की दिशा में जागरूकता अभियान की तीसरी कड़ी (वर्ष 2026) में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरंडा (उपमंडल नूरपुर) में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं, अध्यापकों व पंचायत प्रतिनिधियों ने हिमवीरों के साथ विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। जागरूकता सभा में छात्र-छात्राओं ने इस विषय पर वक्तव्य, समूहगान आदि प्रस्तुतियों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिसकी सराहना में उन्हें पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में अध्यापकों, पंचायत प्रधान व हिमवीरों ने भी इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने हेतु विभिन्न सुझाव दिए तथा युवाओं को इस दिशा में पुनः और व्यावहारिक उदाहरण द्वारा समाज में इसकी जागरूकता उजागर करने का आह्वान किया। रमेश, सेवानिवृत्त उप-कमांडेंट ने नशाखोरी के विरुद्ध युवाओं को इसे रोकने व व्यक्तिगत बचाव के संबंध में विभिन्न तरीके सुझाए। नरेन्द्र सिंह (सेवानिवृत्त सहायक कमांडेंट) ने हिमवीर जागृति मंच द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न समाज सुधारक व देशभक्ति संबंधी अभियानों में सभी को सहभागिता करने का आह्वान किया। पर्यावरण पर हिमवीर के मंत्र 'पेड़ लगाओ, पानी बचाओ- प्लास्टिक हटाओ' को अमलीजामा पहनाने के लिए युवाओं को प्रेरणा दी।

रमेश सिंह, आई.जी. (सेवानिवृत्त) व हिमवीर अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं से खुला वार्तालाप किया, जिसमें शान-शौकत, आत्मविश्वास, लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ संकल्प व संघर्ष, जीवन का लक्ष्य

निर्धारित करना आदि महत्वपूर्ण विषयों पर छात्र-छात्राओं से प्रश्न-उत्तर हुए। उन्होंने बच्चों की उत्कृष्ट अनुशासन व प्रतिभा की तारीफ करते हुए कहा कि भारत का भविष्य सुरक्षित है।

सभा में 88 वर्षीय सहायक कमांडेंट पद से सेवानिवृत्त स्थानीय निवासी श्री माया सिंह को उनकी देश व समाज के प्रति दी गई सेवाओं के उपलक्ष्य में स्थानीय शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया। अंत में अध्यक्ष हिमवीर ने विद्यालय के प्रधानाचार्य, अध्यापकगण, स्थानीय पंचायत व छात्र-छात्राओं को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कृष्ण महाजन, विद्यालय प्रधानाचार्य ने हिमवीर जागृति मंच को इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद दिया तथा अपेक्षा की कि भविष्य में भी इस विद्यालय में ऐसे ही प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

ग्रामीण विकास योजनाओं का समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करें: उपायुक्त

» प्रथम न्यूज । मंडी
26 अगस्त (ब्यूरो)

उपायुक्त अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में बुधवार को उपायुक्त कार्यालय के वीसी कक्ष में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकसित भारत जी-राम-जी, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना सहित अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी लक्ष्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं सीधे तौर पर आम लोगों के जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए इनके कार्यान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना की भी समीक्षा

बैठक में जिले में मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि योजना के तहत सभी पात्र परिवारों को शामिल करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए।

इसके अतिरिक्त सांसद निधि तथा विधायक निधि के तहत जारी धनराशि से चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को इन कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट करने और योजनाओं एवं विकास कार्यों की जमीनी स्तर पर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती ने भी ग्रामीण विकास अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीडीओ ग्रामीण विकास गोपी चंद पाठक, जिला पंचायत अधिकारी अंचित डोगरा सहित सभी खंड विकास अधिकारी तथा ग्रामीण विकास विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत जी-राम-जी में मेन डेज बढ़ाने पर बल

बैठक में विकसित भारत जी-राम-जी के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने मानव दिवस (मैन डेज) बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को अधिक से अधिक पात्र लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरत के अनुरूप विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के संग्रहण पर दें विशेष ध्यान

उपायुक्त ने ग्रामीण क्षेत्रों में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के संग्रहण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एकत्र किए गए प्लास्टिक को उचित तरीके से संबंधित लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध करवाया जाए, ताकि सड़क निर्माण में इसका उपयोग किया जा सके। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कंपोस्ट पिट और सोक पिट के निर्माण को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में लैंड डेवलपमेंट के कार्यों पर विशेष फोकस करने तथा इन कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को कहा।

नशे से दूरी ही बेहतर भविष्य की राह

ब्रह्मकुमारी आश्रम बद्दी में जागरूकता अभियान का आयोजन

» प्रथम न्यूज । बद्दी
26 अगस्त (गुरजीत सिंह)

ब्रह्मकुमारी आश्रम, बद्दी में नशा मुक्ति एवं जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों और इससे होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक नुकसान के बारे में जानकारी दी गई।

इसके बाद अभियान के तहत नई दिशा ड्रग काउंसलिंग एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर, कुल्हाड़ीवाला, तहसील बद्दी, जिला सोलन का दौरा कर वहां उपचाराधीन बच्चों एवं मरीजों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान नशे की लत से बाहर निकलने में उपचार, काउंसलिंग और परिवार के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम में लोगों से अपील की गई कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की समस्या से जूझ रहा है, तो उसे समय रहते नशा मुक्ति केंद्र तक पहुंचाकर उचित उपचार एवं परामर्श दिलाने में सहयोग करें। इस दौरान नई दिशा केंद्र की सेवाओं और उपचार व्यवस्था की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में नशामुक्ति के एक प्रेरणादायक उदाहरण का उल्लेख करते हुए बताया गया कि करीब चार वर्ष पहले एक व्यक्ति को बस स्टॉप से नशे की हालत में नई दिशा केंद्र लाया गया था। उपचार और काउंसलिंग के बाद वह आज नशामुक्त जीवन जी रहा है और सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्य कर रहा है।

अभियान के माध्यम से संदेश दिया गया कि नशे की समस्या का समय पर उपचार और सही मार्गदर्शन व्यक्ति को दोबारा सामान्य एवं सम्मानजनक जीवन की ओर ले जा सकता है।

बद्दी में खेल स्टेडियम निर्माण को लेकर विधायक रामकुमार चौधरी के प्रश्न पर सरकार का जवाब

बद्दी, 26 अगस्त (तारा) – दून विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकुमार चौधरी ने विधानसभा सत्र के दौरान बद्दी में खेल स्टेडियम के निर्माण को लेकर लगाए गए प्रश्न के उत्तर पर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बद्दी में खेल स्टेडियम का निर्माण क्षेत्र के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा।

विधायक रामकुमार चौधरी ने बताया कि सरकार की ओर से दिए गए लिखित उत्तर के अनुसार 19 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के सोलन जिला के बद्दी दौरे के दौरान युवा सेवाएं एवं खेल विभाग को भूमि हस्तांतरित किए जाने के बाद खेल स्टेडियम के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत किए जाने की घोषणा की गई थी। अब संबंधित भूमि युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के नाम हस्तांतरित होने के उपरांत स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। रामकुमार चौधरी ने कहा कि बद्दी क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवा रहते हैं और औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां युवाओं के लिए बेहतर खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों की सुविधाएं उपलब्ध करवाना आवश्यक है। प्रस्तावित खेल स्टेडियम से युवाओं को विभिन्न खेलों के अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मंच मिलेगा तथा उनकी प्रतिभा को निखारने के अवसर उपलब्ध होंगे।

एबीवीपी नालागढ़ द्वारा 'संपदा' नव आगंतुक छात्र अभिनंदन समारोह का आयोजन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रम में 1100 से अधिक विद्यार्थी रहे उपस्थित

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
26 अगस्त (गुरजीत सिंह)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नालागढ़ द्वारा नालागढ़ कॉलेज में नव आगंतुक छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं अभिनंदन के लिए 'संपदा' नव आगंतुक छात्र अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 1100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रभक्ति की भावना से 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन के साथ किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूनम ठाकुर (सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, स्कूल) उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि योगेश भारद्वाज तथा कार्यक्रम अध्यक्ष श्रवण चंदेल रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि आकाश नेगी ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति, स्वामी विवेकानंद के विचार, राष्ट्रभक्ति एवं विद्यार्थी जीवन के महत्व के बारे में संबोधित किया। नशा मुक्ति के विषय पर वक्ताओं ने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य और समाज दोनों के लिए गंभीर चुनौती है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने समय और ऊर्जा का उपयोग शिक्षा, खेल, समाजसेवा एवं राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं विचारों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा का संदेश दिया, जिसे आज का युवा अपने जीवन में अपनाकर समाज और देश को नई दिशा दे सकता है। नव आगंतुक छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कॉलेज जीवन विद्यार्थी के व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण चरण है। नए विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हुए शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक एवं राष्ट्रहित के कार्यों में भी भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। 1100 से अधिक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ने समारोह को विशेष रूप से सफल एवं भव्य बनाया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक सोच का संदेश दिया गया।

आज का

संपादकीय

राजनीति में शब्दों की गरिमा बचाना जरूरी

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत केवल चुनाव और सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि असहमति के बावजूद संवाद बनाए रखने की क्षमता है। आज जब देश विकास, सुशासन और नीतिगत बदलावों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहीं राजनीतिक संवाद में बढ़ती कटुता चिंता का विषय बन रही है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों के लिए भाषा की मर्यादा समान रूप से महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन सवाल और आरोप के बीच की रेखा स्पष्ट रहनी चाहिए। किसी नीति की आलोचना तथ्यों और तर्कों के आधार पर हो तो उससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। इसके विपरीत व्यक्तिगत टिप्पणियां, अपमानजनक शब्द और बिना प्रमाण लगाए गए गंभीर आरोप बहस का स्तर गिराते हैं।

लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन विरोध की भाषा मर्यादित होना उससे भी जरूरी है। तीखे सवाल लोकतंत्र को मजबूत करते हैं, मगर व्यक्तिगत कटाक्ष और बिना प्रमाण आरोप उसकी गरिमा घटाते हैं। सत्ता और विपक्ष को याद रखना होगा कि शब्द केवल बयान नहीं, बल्कि समाज के राजनीतिक संस्कारों की दिशा भी तय करते हैं।

हाल के वर्षों में राजनीतिक बयानबाजी का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया और त्वरित प्रतिक्रियाओं से प्रभावित हुआ है। ऐसा बयान जो कुछ मिनटों में वायरल हो जाए, उसे राजनीतिक सफलता मान लेने की प्रवृत्ति बढ़ी है। मगर 'वायरल' होना और 'विश्वसनीय' होना अलग-अलग बातें हैं। जनता लंबे समय में उसी नेतृत्व और विचार को गंभीरता से लेती है, जिसमें तथ्य, संयम और जिम्मेदारी दिखाई देती है।

राजनीतिक भाषा का असर केवल संसद या चुनावी मंच तक सीमित नहीं रहता। नेता जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसका प्रभाव कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों पर भी पड़ता है। यदि सार्वजनिक मंचों पर लगातार कटुता और व्यक्तिगत हमले होंगे, तो धीरे-धीरे वही शैली सामाजिक संवाद का हिस्सा बनने लगती है। इससे असहमति संवाद के बजाय टकराव में बदल सकती है।

संसद लोकतांत्रिक बहस का सर्वोच्च मंच है। वहां सरकार से कठिन प्रश्न पूछे जाने चाहिए और विपक्ष को अपनी बात पूरी मजबूती से रखनी चाहिए। लेकिन बहस का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना नहीं, बल्कि अपनी बात को तथ्य और तर्क से प्रभावी बनाना होना चाहिए। सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह आलोचना को केवल राजनीतिक विरोध न माने, बल्कि उचित सुझावों और प्रश्नों का तथ्यात्मक जवाब दे।

संवैधानिक संस्थाओं के प्रति राजनीतिक दलों का रवैया भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संस्थाओं के कामकाज पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन गंभीर आरोपों के साथ प्रमाण और जिम्मेदारी भी आवश्यक है। बिना तथ्य के लगातार आरोप लगाने से जनता का संस्थाओं पर विश्वास प्रभावित हो सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल तीखे मतभेदों के बावजूद संवाद की संस्कृति को मजबूत करें। चुनावी प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन राजनीतिक विरोध को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलना लोकतंत्र के हित में नहीं है। सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हो सकते हैं, लेकिन दोनों की अंतिम जिम्मेदारी देश और जनता के प्रति है।

जनता की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। मतदाताओं को यह तय करना होगा कि वे राजनीति में शोर को महत्व देते हैं या तर्क को। जो नेता तथ्य, संयम और समाधान की बात करता है, उसे लोकतांत्रिक समर्थन मिलना चाहिए। राजनीतिक दलों को भी समझना होगा कि चुनावी नारों से क्षणिक तालियां मिल सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में राजनीतिक साख अच्छे काम और गरिमापूर्ण संवाद से बनती है।

भारत जैसे विशाल और विविध लोकतंत्र में भाषा केवल शब्दों का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाली शक्ति है। इसलिए राजनीतिक नेताओं को अपने शब्दों की जिम्मेदारी समझनी होगी। विरोध तीखा हो सकता है, लेकिन भाषा मर्यादित रहनी चाहिए। लोकतंत्र में सरकारें आती-जाती रहेंगी, राजनीतिक दल बदलते रहेंगे और चुनाव होते रहेंगे, लेकिन सार्वजनिक जीवन के संस्कार समाज में लंबे समय तक बने रहते हैं। इसलिए राजनीति को केवल चुनाव जीतने की कला नहीं, बल्कि संवाद और जिम्मेदारी की संस्कृति भी बनाना होगा। देश को ऐसी राजनीति चाहिए जिसमें मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों; सवाल हों, लेकिन अपमान नहीं; और संघर्ष हो, लेकिन संवाद का रास्ता कभी बंद न हो।

युवा शक्ति के कंधों पर भारत का भविष्य

नई पीढ़ी को केवल मोबाइल और सोशल मीडिया तक सीमित समझना उसके सामर्थ्य के साथ अन्याय है। आज का युवा सवाल करता है, तर्क खोजता है और बदलाव की इच्छा रखता है। उसकी सोच, भाषा और कार्यशैली भले ही हमसे अलग हो, लेकिन उसके सपनों में देश का भविष्य छिपा है। हमें उसे उपदेश देने के बजाय संवाद का अवसर देना चाहिए। उसकी जिज्ञासा का सम्मान और प्रतिभा को सही दिशा देनी होगी। विज्ञान, तकनीक, खेल, उद्यमिता और सामाजिक सरोकारों में युवा अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं। इसलिए नई पीढ़ी से दूरी नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद का रिश्ता जरूरी है।

आज के समय में 'जेन-जी' यानी नई युवा पीढ़ी को लेकर समाज में चर्चा तेज है। परिवारों से लेकर शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों और सार्वजनिक मंचों तक इस पीढ़ी के व्यवहार, सोच, कार्यशैली और प्राथमिकताओं पर बातचीत होती रहती है। कोई इनके हाथ में हर समय मौजूद मोबाइल फोन को जिम्मेदार ठहराता है, तो कोई बदलते संस्कारों और जीवनशैली को लेकर चिंता व्यक्त करता है। कई बार बातचीत में सहज ही यह वाक्य सुनाई देता है-अरे, ये जेन-जी लोग...। सुनने में सामान्य लगने वाला यह वाक्य वास्तव में दो पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी का संकेत देता है। सवाल यह है कि हमारे अपने बच्चों के लिए हमारे मन में 'ये' और 'हम' का अंतर क्यों पैदा हो गया?

नई पीढ़ी को समझने के लिए सबसे पहले यह स्वीकार करना होगा कि समय बदलता है और उसके साथ समाज भी बदलता है। हर पीढ़ी अपने समय की परिस्थितियों, तकनीक, अवसरों और चुनौतियों से प्रभावित होती है। जिस तरह हमारे बचपन और युवावस्था का संसार आज से अलग था, उसी तरह आज के बच्चों और युवाओं की दुनिया भी हमसे अलग है। इसलिए उन्हें अपने पुराने अनुभवों के पैमाने पर परखना हमेशा उचित नहीं होगा।

जब देश का नेतृत्व युवाओं को 'मेरे युवा मित्र' कहकर संबोधित करता है, तो इसके पीछे केवल संबोधन की औपचारिकता नहीं, बल्कि एक गहरी सोच दिखाई देती है। युवा किसी से नीचे खड़ा व्यक्ति नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की यात्रा में बराबरी का सहभागी है। उसे केवल आदेश देने या सलाह देने के बजाय उसके साथ बैठकर बात करने और उसकी सोच समझने की आवश्यकता है। यही दृष्टिकोण परिवारों और समाज को भी अपनाना होगा।

जेन-जी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह सवाल पूछती है। वह किसी बात को केवल इसलिए स्वीकार नहीं करना चाहती कि उसे वर्षों से ऐसा ही किया जाता रहा है। वह पूछती है-ऐसा क्यों है? इसका कारण क्या है? इसका लाभ क्या है? क्या इसे बेहतर तरीके से किया जा सकता है? कई बार यही प्रश्न बुजुर्गों को असहज कर देते हैं। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि जब हम युवा थे, तब हमारे प्रश्न भी हमारे माता-पिता और बुजुर्गों को कई बार परेशान करते थे। यही पीढ़ियों के बीच का स्वाभाविक अंतर है।

भारत के इतिहास में युवाओं की प्रश्न करने और परिवर्तन लाने की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह भी युवा थे। उनके भीतर देश को स्वतंत्र देखने की तीव्र इच्छा थी। उन्होंने अपने समय की व्यवस्थाओं और परिस्थितियों को चुनौती दी। आज के युवा भी अपने आसपास की दुनिया को लेकर प्रश्न करते हैं। अंतर केवल इतना है कि आज उनके सामने तकनीक, इंटरनेट और वैश्विक जानकारी के नए साधन उपलब्ध हैं।

आज की पीढ़ी पर अक्सर आरोप लगाया जाता है कि वह मोबाइल स्क्रीन में डूबी रहती है। यह चिंता पूरी तरह निराधार नहीं है, लेकिन इस सवाल का एक हिस्सा हमें स्वयं से भी पूछना चाहिए। क्या बच्चे अपने माता-पिता को किताब पढ़ते हुए देखते हैं? क्या परिवार में भोजन के समय सभी लोग मोबाइल से दूर रहते हैं? क्या हमने उन्हें प्रकृति, गांव, खेत, पहाड़, नदियों और अपने आसपास की वास्तविक दुनिया से परिचित कराया है? क्या हमने उन्हें दादा-दादी और नाना-नानी के जीवन अनुभव सुनाए हैं?

बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की सलाह देना आसान है, लेकिन उन्हें मोबाइल से अधिक सुंदर और अर्थपूर्ण दुनिया दिखाना कठिन है। यदि हम चाहते हैं कि बच्चे पुस्तक पढ़ें, तो उन्हें पढ़ते हुए हमारा उदाहरण भी दिखाई देना चाहिए। यदि हम चाहते हैं कि वे परिवार के साथ समय बिताएं, तो हमें भी उनके लिए समय निकालना होगा। संस्कार केवल भाषणों से नहीं आते; वे व्यवहार देखकर विकसित होते हैं।

नई पीढ़ी का संवाद करने का तरीका भी अलग है। उसकी भाषा अलग हो सकती है, उसकी प्राथमिकताएं अलग हो सकती हैं और उसकी सोच का दायरा भी अधिक वैश्विक हो सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वह अपनी जड़ों से पूरी तरह कट गई है। आवश्यकता इस बात की है कि हम उसे अपनी परंपराओं का अर्थ समझाएं। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि हमारे यहां ऐसा ही होता है। यदि युवा पूछता है कि ऐसा क्यों होता है, तो हमें उसके प्रश्न का सम्मान करते हुए उत्तर देना चाहिए।

परंपराओं के पीछे छिपे दर्शन, संस्कृति के मूल विचार और धर्म के मानवीय संदेश को नई पीढ़ी के सामने तर्क और संवेदना के साथ रखना होगा। संस्कृति को केवल पुस्तकों और भाषणों तक सीमित रखने के बजाय जीवन में उतारकर दिखाना होगा। जब युवा अपने परिवार में सम्मान, सहयोग, सेवा, अनुशासन और संवेदनशीलता को व्यवहार में देखेगा, तो वह इन मूल्यों को अधिक सहजता से अपनाएगा।

जेन-जी को केवल रील बनाने और सोशल मीडिया देखने वाली पीढ़ी मान लेना उसके साथ अन्याय है। आज इसी पीढ़ी के युवा देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। खेल के मैदानों से लेकर विज्ञान की प्रयोगशालाओं तक, तकनीक से लेकर उद्यमिता तक और कला से लेकर शिक्षा तक युवा नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। शतरंज में डी. गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों ने भारत की प्रतिभा को वैश्विक मंच पर नई पहचान दी है। यह केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उस नई पीढ़ी की क्षमता का प्रमाण है जो अवसर मिलने पर दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा साबित कर सकती है।

प्रो. अनिल पांडेय
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू)

तकनीक के क्षेत्र में भी युवा नए विचारों के साथ सामने आ रहे हैं। स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल सेवाएं और नवाचार जैसे क्षेत्रों में युवा सोच तेजी से बदलाव ला रही है। उनके पास दुनिया को देखने के नए तरीके हैं। इसलिए उन्हें केवल उनकी कमियों के आधार पर आंकना उनके साथ-साथ देश की संभावनाओं को भी सीमित करना होगा।

नई पीढ़ी की संवेदनशीलता भी उल्लेखनीय है। पर्यावरण संरक्षण, पशु-पक्षियों के प्रति संवेदना, समान अवसर, सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के अधिकार जैसे विषयों पर आज के युवा खुलकर अपनी राय रखते हैं। वे मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण जैसे विषयों पर भी बातचीत को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कई ऐसे विषय जिन्हें पिछली पीढ़ियों में दबाकर रखने की प्रवृत्ति थी, आज युवा उनके बारे में खुलकर संवाद करना चाहते हैं।

इसलिए हमें केवल यह नहीं देखना चाहिए कि युवा क्या गलत कर रहा है। हमें यह भी देखना चाहिए कि वह क्या नया और अच्छा करने की कोशिश कर रहा है। उसकी गलतियों को सुधारना आवश्यक है, लेकिन हर गलती को उसके चरित्र का प्रमाण मान लेना उचित नहीं। आखिरकार हर पीढ़ी ने गलतियां की हैं। हमारी पीढ़ी भी इससे अलग नहीं रही।

अक्सर हम युवाओं से कहते हैं-हमारे जमाने में ऐसा नहीं होता था। यह वाक्य शायद ही कभी किसी युवा को समझने में मदद करता है। समय बदल चुका है और परिस्थितियां भी बदल चुकी हैं। हमें अपने अनुभव युवाओं पर थोपने के बजाय उनके साथ साझा करने चाहिए। अनुभव का उद्देश्य रास्ता दिखाना होना चाहिए, रास्ता बंद करना नहीं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि माता-पिता और बच्चे एक-दूसरे से अधिक संवाद करें। बच्चों को केवल बोलने का अवसर नहीं, बल्कि सुने जाने का भरोसा भी मिलना चाहिए। जब कोई युवा अपनी बात रखता है तो हर बात पर तुरंत निर्णय सुनाने के बजाय पहले उसे समझना चाहिए। इससे परिवार में विश्वास बढ़ेगा और पीढ़ियों के बीच की दूरी कम होगी। हमें यह भी समझना होगा कि युवा केवल भविष्य नहीं, वर्तमान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। देश की अर्थव्यवस्था, विज्ञान, खेल, तकनीक, सामाजिक परिवर्तन और लोकतांत्रिक विमर्श में उनकी भूमिका आज से ही शुरू हो चुकी है। आने वाले वर्षों में भारत की दिशा तय करने में इन्हीं युवाओं की ऊर्जा सबसे महत्वपूर्ण होगी। इसलिए अगली बार जब किसी बातचीत में कोई कहे-अरे, ये जेन-जी लोगज, तो हमें रुककर सोचना चाहिए। हां, वे जेन-जी हैं, लेकिन वे 'ये लोग' नहीं हैं। वे हमारे अपने बच्चे हैं। उनकी सोच हमसे अलग हो सकती है, उनकी भाषा हमें नई लग सकती है और उनकी दुनिया हमें कभी-कभी अनजानी दिखाई दे सकती है। फिर भी उनके सपनों, सवालों और संघर्षों को समझना हमारी जिम्मेदारी है। उन्हें कठघरे में खड़ा करने के बजाय उनके साथ खड़ा होना होगा। उन्हें उपदेश देने से अधिक संवाद करना होगा। उनकी गलतियों पर केवल नाराज होने के बजाय उन्हें सीखने का अवसर देना होगा। उनके प्रश्नों से डरने के बजाय उनके प्रश्नों के माध्यम से स्वयं को भी नए सिरे से देखने की आवश्यकता है।

भारत की अगली कहानी इन्हीं मजबूत कंधों पर लिखी जाएगी। ये युवा केवल हमारे बाद आने वाली पीढ़ी नहीं हैं, बल्कि आज के भारत की शक्ति हैं। उन्हें विश्वास, अवसर, मार्गदर्शन और सही दिशा की आवश्यकता है। यदि हम उनके भीतर की ऊर्जा को सकारात्मक उद्देश्य से जोड़ सकें, तो यही पीढ़ी भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

भविष्य को अतीत के पुराने सांचे में ढाला नहीं जा सकता। भविष्य अपने नए रंग, नई भाषा और नई कल्पनाओं के साथ आकार लेता है। इसलिए नई पीढ़ी से दूरी बनाने के बजाय उसके साथ कदम मिलाकर चलना होगा। क्योंकि आकाश छूने का सपना देखने वाली इस पीढ़ी के हाथों में केवल उसका अपना भविष्य नहीं, बल्कि भारत के आने वाले कल की जिम्मेदारी भी है।

आजादी का अमृत महोत्स्व सराहनीय पहल

सदियों की गुलामी उपरांत भारत को आजादी ऐसे ही नहीं मिली हैँ ।इस स्वतंत्रता को पाने के लिए हमारे देश के महान क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है ।भारत का इतिहास क्या रहा इस बाबत अधिकांश युवा पीढ़ी अंजान है ।कहते जिस देश की युवा पीढ़ी अपना इतिहास भूल जाति वहाँ भूगोल भी स्मरण रखना मुश्किल बन जाता है ।इतिहास के पन्नों में भारतीय इतिहास की झलक भी धुंधली है ।शिक्षण संस्थानों में एकतरफा इतिहास छात्रों को पढ़ाए जाने से देश की एकता और अखंडता बरकरार रखना बड़ी चुनौती है ।आज की पीढ़ी,इतिहास,सभ्यता,संस्कृति और नैतिक मूल्यों से दूर होती जा रही है ।स्मार्ट मोबाइल फोन की बढ़ती लत से युवाओं में नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है ।समाज,परिवार,देश और धर्म प्रति लगाव युवाओं को अवश्य रखना चाहिए ।देश को आजाद हुए 80 बर्ष बीत चके इसलिए, केंद्र सरकार ने इस अमृत महोत्स्व को मनाने का अभियान छेड़ा जो सराहनीय है ।भारत सहित बिदेशों में आजादी महोत्स्व मनाए जाने की तैयारियां चल रही हैँ ।दुबई स्थित विश्व की गगन चुम्बी लम्बी ईमारत बुर्ज खलीफा में तिरंगा झंडा फहराने से करोड़ों भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है ।यूएई में करीब 35 लाख से अधिक भारतीय रहते हैँ ।यूएई सरकार सामाजिक समरसता में विश्वास रखते हुए भारतीय तिरंगे झंडे का सम्मान किए जाना नहीं भूलती है ।आजादी महोत्स्व की बेला पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्राएं निकलना,तिरंगा समारोह,सामूहिक बंदे मातरम गायन और हर घर तिरंगा फहराने का शुरु किया अभियान सराहनीय है ।हिमाचल प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता अपने नेताओं की अगुवाई में जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं निकलाकर लोगों को अपने घरों में तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रेरित कर रही है ।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देशबासियों में एकता,सदभाव,और भाई चारे की भावना क़ायम रखना है ।झंडा किसी भी देश का हो उसका सम्मान किए जाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र पत्रकार नूरपुर

देशों में आपसी संबध खराब जरूर हो सकते,मगर झंडे का अपमान किए जाने से सदैव गुरेज किया जाना चाहिए ।भारतीय झंडे का अपमान यूरोप देशों में रहने बाले कुछेक लोग करके सोशल मीडिया में वायरल करने से करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत होती हैँ ।भारतीय लोकतंत्र का मूल आधार एकता,अखंडता को बनाए रखना है ।धर्म निरपेक्षता लोकतंत्र की सबसे बड़ी बिशेषताओं में एक है ।भारत में सभों धर्मों के लोग रहते इसलिए उनमें आपसी एकता बरकरार रखने सहित देश प्रेम की भावना भी क़ायम रखना जरूरी बन जाता है ।आजादी महोत्स्व पर हर घर में तिरंगा झंडा फहराना प्रत्येक भारतीय का दायित्ब बनता है। मगर इसके साथ तिरंगे झंडे सम्मान में कोई कोताही न बरती जाए इसलिए भी सजगता बरतनी चाहिए ।अक्सर देखने में आता की कुछेक लोग स्वतंत्रता,गणतंत्र दिवस के मौक़े पर ही तिरंगे झंडे का सम्मान करते ऐसा नहीं होना चाहिए ।स्कूल,काजेलों में इस दिन देश भक्ति से ओत प्रोत कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे,जो अब कम होते जा रहे हैँ ।देश भक्ति,राष्ट्रवाद की भावना युवाओं में जागृत करना आज बहुत जरूरी है ।समारोह उपरांत झंडे को पूरे सम्मान साथ संभालकर रखना चाहिए ।झंडा गली,कूचों में इधर उधर पड़ा मिले तो लोगों की भावनाओं को ठेस पहुँचती है ।झंडे को मेजपोज पर इस्तेमाल न करें,साफ,सुधरी जगह पर संभालकर रखें,गंदे पानी में फैकने से परहेज करें ।देश में जब कोई जवान शहीद होता उसे इसी तिरंगे झंडे में लपेटकर सभी उसे सलामी देते हैँ ।प्रशासनिक अधिकारी तिरंगे झंडे को अपने मेज पर सजाकर इसके प्रति सम्मान दर्शाते हैँ ।भारतीय झंडे को अपने पैरों तले रोंदने बाले देश प्रेमी कतई नहीं,ऐसे लोगों खिलाफ केंद्र सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत आज बिकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो चुका है ।भारत का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा ऐसा कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी ।विश्व देश आज भारत साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहते हैँ।

विश्व में कुछेक देश आपसी बर्चसब की लड़ाई लड़ रहें,केंद्र सरकार की सकारात्मक बिदेश नीति सभी साथ संबध बनाए हुए है ।पश्चिम एशिया में चलते तनाव के बीच केंद्र सरकार भारतीयों के लिए पेट्रोल,डीजल और गैस निरंतर उपलब्ध करबाने में अग्रसर है ।भारत की एकता और अखंडता को खत्म किए जाने के बिदेश स्तर पर प्रयास चल रहे हैँ ।भारत की एकता और अखंडता को खतरा बिदेशियों से कहीं अधिक अपने लोगों से है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार अपना तीसरा बर्ष का कार्यकाल पुरा करने जा रही है ।बिपक्षी पार्टी के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकतान्त्रिक तरीके से पटखनी देने बजाए गलत हथ कंडे अपनाकर सतासीन होने का सपना देख रहे हैँ ।किसान आंदोलन की आड़ में किसान कब दिल्ली की सड़कों पर कब डेरा जमा दें बिपक्षी नेताओं सिवाए कोई नहीं जानता है ।अमेरिका में रोजी रोटी संघर्ष के लिए गए भारतीयों को बेड़ियों में जकड़कर बापस भेजनें पर ऐसे नेताओं को सकून की अनुभूति होती है ।दिल्ली जंतर मंतर पर नीट प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर आंदोलित छात्रों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अश्लील,भद्दी गालियां निकालने के लिए उकसाने बाले कौन थे,देश की जनता भली भांति जान चुकी है।

सोशल मीडिया पर झूठी खबरों का चलन

खबरों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। खबरे हमें टी वी समाचार पत्रों रेडियो से प्राप्त होती थी। किन्तु आज कल वर्डसेप, ट्विटर, फेसबुक के माध्यम से खबरे बहुत तीव्रता से फैलती है।

परन्तु वो खबरे जो किसी विश्वसनीय चैनल से प्राप्त न हो कर केवल किसी के वर्डसेप सन्देश, फेसबुक के सन्देश, किसी तस्वीर के माध्यम से प्राप्त होती वो सही हो जरूरी नही होता।

क्योंकि आज के अधुनिक युग में किसी भी खबर को परिवर्तित व बढ़ा चढ़ा कर दिखाया व बताया जाता है।। आज कल झूठी खबरे फैला कर फेसबुक यूट्यूब पर अपने सब्सकर्सिबर बढ़ाने का जो चलन है बहुत गलत है। इससे कभी कभी हमे बहुत मुसीबत का सामना करना पड़ता है।। इन झूठी खबरों को इतनी खूबसूरती से पेश किया जाता है कि पढ़ने वाला उन पर शीघ्रता से विश्वास कर लेता है और बस फारवर्ड करने में देरी नही लगाता।

ये भी देखा गया है कि कुछ लोग पुरानी खबरे भी अपनी फेसबुक वर्डसेप पर डाल देते है, बहुत से लोग जिन पर विश्वास भी कर लेते है ।इससे होता ये है कि जब कोई सच्ची खबर आती है तो भी लोग उस पर विश्वास करने से कतराते है।इसलिए जो खबरे प्रसिद्ध अखबारों को फेसबुक यूट्यूब चैनल है उन्ही की खबरों पर विश्वास किया जाना चाहिए न किसी भी तस्वीर वीडियो व खबर पर।

इसके अतिरिक्त ये चलन भी बहुत चला हुआ है किसी बड़ी हस्ती या फिल्मी हस्ती के बारे में कुछ भी ऊटपटांग हैडिंग बना कर कोई ऐसी चटपटी खबर बनाना जिससे उस ब्लॉग या विडियो को लोग ज्यादा से ज्यादा पढ़े या फिर देखे ।इससे उस ब्लॉग लिखने वाले या वीडियो बनाने वाले को हो सकता है कुछ आर्थिक लाभ हो परन्तु लोगो का समय इन की अफवाहों को पढ़ने व देखने में व्यर्थ होता है। जिस युग में सोशल मीडिया का इतना अधिक महत्व हो उस युग में इस माध्यम से झूठ व अफवाहों को परोसना किसी भी समाज व देश के हित में नही है ।इसलिए हम सभी का कर्तव्य है कि किसी भी सूचना व समाचार की सत्यता की पुष्टि के बिना उसे आगे न फैलाएं।

अतुल कुमार

अतीत की परछाइयां मरते दम तक पीछा करती हैं

आदमी सोचता है कि जो हो गया सो हो गया। जो बीत गया सो बीत गया। पर ऐसा होता नहीं है। जो बीत जाता है वो खत्म नहीं होता, वो परछाई बन जाता है। और वो परछाई जिंदगी भर, मरते दम तक आपका पीछा करती है।

आप धूप में चलते हैं तो आपकी परछाई आपके साथ चलती है। आप भागते हैं तो वो भी भागती है। आप रुकते हैं तो वो भी रुक जाती है। आप उससे पीछा नहीं छुड़ा सकते। ठीक वैसे ही अतीत की परछाई है। आप कितना भी आगे निकल जाओ, कितना भी पैसा कमा लो, कितना भी बड़ा बन जाओ, आपका अतीत आपका पीछा नहीं छोड़ता। अतीत दो तरह का होता है। एक अच्छा अतीत और एक बुरा अतीत। अच्छा अतीत परछाई बन कर आपको ठंडक देता है। जब आप दुखी होते हैं तो अच्छा अतीत याद आता है। बचपन के दिन, माँ के हाथ की रोटी, पिता की डांट, दोस्तों के साथ खेल, पहली नौकरी, पहली तनख्वाह। ये सब यादें आपको हिम्मत देती हैं। लगता है कि नहीं, जिंदगी में कुछ अच्छा भी हुआ था। पर बुरा अतीत, वो परछाई बन कर आपको डराता है। वो रात में नींद नहीं आने देता। वो अकेले में रुलाता है।

किसी ने किसी के साथ धोखा किया था। किसी ने झूठ बोला था। किसी ने किसी का दिल दुखाया था। किसी ने रिश्वत ली थी। किसी ने अपने माँ-बाप को सताया था। उस वक्त तो लगता है कि किसी ने देखा नहीं, बात खत्म हो गई। पर बात खत्म नहीं होती। वो आपके अंदर बैठ जाती है। और फिर जब आप अकेले होते हैं तो वो परछाई बन कर सामने आ जाती है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

मैंने बड़े-बड़े लोगों को देखा है। बड़ा अधिकारी रिटायर हो जाता है। उसके पास पैसा है, बंगला है, गाड़ी है। पर वो रात में सो नहीं पाता। क्यों। क्योंकि उसने नौकरी के दौरान न जाने कितने गलत काम किए थे। कितने लोगों से पैसा लिया था। कितने लोगों का हक मारा था। अब वो पैसा तो है पर नींद नहीं है। क्योंकि अतीत की परछाई उसका पीछा कर रही है।

एक आदमी ने जवानी में अपनी पत्नी को बहुत सताया। उसको मारा-पीटा। गाली दी। बुढ़ापे में जब वो खुद बीमार पड़ा तो वही सारी बातें उसको याद आने लगीं। अब वो माफी मांगना चाहता है पर पत्नी जा चुकी है। अब वो परछाई के साथ ही मरेगा।

इसलिए हमारे बुजुर्ग कहते थे कि ऐसा कोई काम मत करो कि बाद में पछताना पड़े। क्योंकि पछतावा सबसे बड़ी सजा है। जेल की सजा तो कुछ साल की होती है, पर पछतावे की सजा मरते दम तक होती है।

अतीत की परछाइयों से कैसे बचा जाए। इसका एक ही तरीका है, आज को ठीक रखो। आज अगर आप अच्छा काम करोगे तो कल वो अच्छा अतीत बन जाएगा। और अगर आज आप बुरा काम करोगे तो कल वो बुरी परछाई बन जाएगा। तीन बातें हमेशा याद रखो।

पहली बात, किसी का दिल मत दुखाओ। पैसा वापस आ जाता है, पर दिल दुखाने का पाप वापस नहीं जाता। वो परछाई बन कर आपका पीछा करेगा।

दूसरी बात, झूठ मत बोलो। झूठ बोल कर आप कुछ दिन जीत सकते हो, पर पूरी जिंदगी आप उस झूठ को याद रख कर डरते रहोगे कि कहीं सच सामने न आ जाए।

तीसरी बात, अपने माँ-बाप और अपने परिवार को कभी मत सताओ। क्योंकि जब वो नहीं रहेंगे तो उनकी याद परछाई बन कर आपको सबसे ज्यादा सताएगी। जो लोग कहते हैं कि हम अतीत को भूल गए हैं, वो झूठ बोलते हैं। अतीत कभी नहीं भूलता। वो आपके अंदर ही रहता है। कभी खुशबू बन कर, कभी बदबू बन कर। इसलिए अगर आपके अतीत में कोई गलती हुई है तो आज ही उसको सुधार लो। जिसको सताया है उससे माफी मांग लो। जिसका पैसा लिया है उसको लौटा दो। जिससे झूठ बोला है उसको सच बता दो। हो सकता है वो माफ कर दे। और अगर वो माफ कर देगा तो आपकी परछाई छोटी हो जाएगी।

और अगर आपने अतीत में अच्छे काम किए हैं तो घमंड मत करो। उनको याद रखो और आगे भी अच्छे काम करते रहो। ताकि जब बुढ़ापा आए तो अतीत की परछाई डरावनी नहीं, ठंडी लगे। याद रखो, आदमी अपनी परछाई से कभी नहीं जीत सकता। उससे लड़ने से बेहतर है कि ऐसी जिंदगी जियो कि तुम्हारी परछाई भी तुमसे प्यार करे।

क्योंकि अंत में जब सब कुछ छूट जाएगा, पैसा, बंगला, गाड़ी, तो तुम्हारे साथ सिर्फ दो चीजें रहेंगी, तुम्हारे अच्छे कर्म और तुम्हारे बुरे कर्म। वही तुम्हारी असली परछाई हैं और वही मरते दम तक तुम्हारा पीछा करेंगी।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN / 2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

श्रावण मास में पार्थिव शिवलिंग पूजा से भक्तिमय हुआ बगलामुखी धाम

पिहोवा, 26 अगस्त (मुकेश डोलिया) श्रावण मास के उपलक्ष्य में महंत भीम पुरी महाराज के सानिध्य में मां पीतांबरा पीठ बगलामुखी धाम में विशेष पार्थिव शिवलिंग पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को अनेक यजमानों ने विधि-विधान से पार्थिव शिवलिंग पूजा की। मंदिर के पंडित गंगा प्रसाद एवं अखिलेश तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना संपन्न करवाई। कांग्रेस के पूर्व शहरी प्रधान राकेश बधवार भी यजमान के रूप में पूजा में शामिल हुए। महंत भीम पुरी महाराज ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है और पार्थिव शिवलिंग पूजा का विशेष धार्मिक महत्व है। श्रद्धा एवं विधि-विधान से पार्थिव शिवलिंग का पूजन करने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है तथा भक्तों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। कांग्रेस के पूर्व शहरी प्रधान राकेश बधवार ने पार्थिव शिवलिंग पूजा-अर्चना में शामिल होने के बाद कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है।

पार्थिव शिवलिंग पूजा से मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि मां पीतांबरा पीठ बगलामुखी धाम में महंत भीम पुरी महाराज के सानिध्य में आयोजित यह धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं को भगवान शिव की भक्ति से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से श्रावण मास में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शिव की आराधना करने का आह्वान किया। इस अवसर पर महंत भीम पुरी,विकल चौबे राकेश बधवार,पंडित गंगा अखिलेश तिवारी प्रसाद ,पं. गीताराम उपस्थित रहे।

डीएलएसए द्वारा 12 सितंबर को किया जाएगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन : नीतिका भारद्वाज

कुरुक्षेत्र, 26 अगस्त (बृज मोहन) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर 2026 को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी इस नेशनल लोक अदालत में सुलह व समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण कर सकता है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते है। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। इन राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में ना तो किसी पक्ष की हार होती है और ना ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है।

स्वच्छता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व

हरियाणा स्वच्छता सप्ताह के अंतर्गत स्वच्छता एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 26 अगस्त (बृज मोहन) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत मनाए जा रहे हरियाणा स्वच्छता सप्ताह के अवसर पर आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। आज का मुख्य कार्यक्रम थानेसर खंड की ग्राम पंचायत दयालपुर एवं पिपली खंड की ग्राम पंचायत बिहोली में आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी कुरुक्षेत्र विकास कुमार, लेखा अधिकारी जिला परिषद कुरुक्षेत्र सत्या भूषण ने की।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। आइए, हम सभी मिलकर अपने गांव, सार्वजनिक स्थलों एवं प्राकृतिक संसाधनों को स्वच्छ रखें तथा स्वच्छ भारत मिशन को जन-आंदोलन बनाएं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ गांव के निर्माण में जनसहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर स्वच्छता रैली, स्वच्छता शपथ, ग्राम सफाई अभियान, प्लास्टिक मुक्त गांव अभियान तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य स्तरीय समारोह में कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं और प्रतिभागियों को किया सम्मानित

राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में 24 खिलाड़ियों को दिए 13 करोड़ 97 लाख 50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 अगस्त (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पंचकूला में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 के पदक विजेताओं एवं प्रतिभागियों के राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर 24 खिलाड़ियों को 13 करोड़ 97 लाख 50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार दिए गए।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम, सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, मेयर श्री श्यामलाल बंसल , खेल विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी. कुमार, खेल विभाग के निदेशक श्री पार्थ गुप्ता, , खिलाड़ी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर गर्व जताते हुए कहा कि किसी खिलाड़ी की कहानी पदक से शुरू नहीं होती। उसकी कहानी उस मिट्टी से शुरू होती है, जहां उसने पहली बार दौड़ना सीखा, उस मैदान से जहां उसने पहली बार हार का सामना किया और उन सुबहों से, जब बाकी दुनिया सो रही होती है और वह अपने सपने के लिए पसीना बहा रहा होता है। उसके पीछे माता-पिता का विश्वास, गुरु का अनुशासन और हर हार के बाद फिर उठ खड़े होने का संकल्प होता है। पोडियम पर खड़ा खिलाड़ी कुछ क्षणों के लिए पूरी दुनिया को दिखाई देता है, लेकिन उस पोडियम तक पहुंचने का वर्षों का संघर्ष दिखाई नहीं देता।

उन्होंने कहा कि ग्लासगो में हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपने दमखम और प्रतिभा का डंका पूरी दुनिया में बजाया है। आज हर हरियाणवी का सीना गर्व से चौड़ा है और खिलाड़ियों की उपलब्धियों की खुशी पूरे हरियाणा में उत्सव बनकर छाई हुई है। हरियाणा की मिट्टी की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यहां खेतों में सिर्फ अन्न नहीं उगता, यहां चैंपियन भी पैदा होते हैं।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने कुल 11 पदक जीते, जिनमें 7 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रकार देश की कुल पदक संख्या में हरियाणा के खिलाड़ियों का योगदान 28 प्रतिशत से अधिक रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2028, 2032 और 2036 के ओलंपिक खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों के बलबूते भारत दुनिया की बड़ी खेल शक्ति के रूप में उभरेगा। आज ग्लासगो में खिलाड़ियों ने तिरंगा ऊंचा किया है और आने वाले वर्षों में वे ओलंपिक के पोडियम पर भी तिरंगा ऊंचा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया। यह खिलाड़ियों की इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण का परिणाम है। इस गौरवशाली अभियान में हरियाणा ने एक बार फिर अपनी अलग पहचान बनाई है।

हरियाणा की बेटियों ने जीते 6 पदक, इनमें 5 स्वर्ण

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से प्रदेश की बेटियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा जीते गए 11 पदकों में से 6 पदक बेटियों के हैं, जिनमें 5 स्वर्ण पदक शामिल हैं। मुक्केबाजी रिंग में भी हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा और भारत के 7 स्वर्ण पदकों में से 6 स्वर्ण हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते।

उन्होंने कहा कि प्रीति पवार, जैस्मिन लम्बोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घनघस, सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पराजित करके स्वर्णिम इतिहास रचा है।

पैरा-एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली बेटी शर्मिला का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सिद्ध किया है कि मन की शक्ति के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती। नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक अर्जित कर अपनी विश्वस्तरीय प्रतिभा को फिर से प्रमाणित किया।

मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने रजत पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया और बेटी सीमा कालीरमन ने कांस्य पदक प्राप्त कर हरियाणा की पदक संख्या में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन खिलाड़ियों ने अलग-अलग मैदानों में खेलते हुए एक ही तिरंगे को ऊंचा किया है। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी आज पदक लेकर लौटे हैं, वे हमारी उपलब्धि हैं और जो खिलाड़ी अनुभव लेकर लौटे हैं, वे हमारी अगली उपलब्धि की नींव हैं। आज का अनुभव कल का पदक बन सकता है। सरकार, खेल विभाग और पूरा हरियाणा खिलाड़ियों के साथ खड़ा है।

पिछले लगभग 12 वर्षों में 17,544 खिलाड़ियों को 742 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज 24 खिलाड़ियों को 13 करोड़ 97 लाख 50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार दिए गए हैं। यह केवल आज की घोषणा नहीं है। पिछले लगभग 12 वर्षों में प्रदेश के 17 हजार 544 खिलाड़ियों को 742 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी गई है।

उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए खिलाड़ियों को तैयारी हेतु अग्रिम राशि देने का भी प्रावधान किया गया है, ताकि पैसे की कमी के कारण किसी खिलाड़ी की ट्रेनिंग न रुके।

डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-8 सी में हर्षोल्लास से मनाया गया ग्रीन डे

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 अगस्त (पुनीत महाजन)

26 अगस्त डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-8 सी, चंडीगढ़ में नर्सरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा ग्रीन डे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को हरियाली, प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व से परिचित करवाना था।

इस अवसर पर बच्चों ने लीफ प्रिंटिंग, ग्रीन बैलून पासिंग, पौधारोपण तथा हरे मोतियों की छंटाई जैसी विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर मिला तथा उनकी रचनात्मकता, समन्वय, अवलोकन और छंटाई संबंधी कौशल का विकास हुआ।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पौधारोपण गतिविधि रही। इसके माध्यम से बच्चों को पौधों से प्रेम करने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें यह संदेश दिया गया कि पेड़-पौधे हमारे आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य मंतोष पाल सिंह ने नर्सरी के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें प्रकृति के साथ मजबूत रिश्ता कायम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा आज उठाए गए छोटे-छोटे कदम भविष्य में एक अधिक हरा-भरा और स्वस्थ वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ग्रीन डे समारोह बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक अनुभव भी रहा। कार्यक्रम ने नन्हे विद्यार्थियों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण की भावना को मजबूत किया तथा उन्हें गो ग्रीन एंड केयर फॉर नेचर का संदेश दिया।

चिलचिलाती गर्मी में ऑटो ड्राइवर बना ट्रैफिक पुलिस, जाम खुलवाकर लोगों को दिलाई राहत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 अगस्त (पुनीत महाजन)

चिलचिलाती गर्मी के बीच ट्रैफिक लाइट खराब होने के कारण 19/27 की सड़क पर चारों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में फंसे सैकड़ों लोग गर्मी और उमस के बीच परेशान होते रहे। इसी दौरान एक ऑटो चालक ने इंसानियत और जिम्मेदारी की मिसाल पेश करते हुए अपना ऑटो सड़क किनारे खड़ा किया और खुद ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में जुट गया।

ऑटो चालक अनिल कुमार ने बिना किसी औपचारिक जिम्मेदारी के ट्रैफिक पुलिस की भूमिका निभाते हुए वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकालना शुरू किया। अनिल कुमार के प्रयासों से धीरे-धीरे यातायात सुचारु होने लगा और जाम में फंसे लोगों को राहत मिली।

दोपहर के समय स्कूलों की छुट्टी और लंच टाइम के कारण शहर की सड़कों पर पहले ही यातायात का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में यदि किसी चौराहे की ट्रैफिक लाइट खराब हो जाए और मौके पर ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए पुलिस कर्मचारी मौजूद न हो, तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। गर्मी में जाम में फंसे लोगों की परेशानी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोग भूख-प्यास और घर पहुंचने की जल्दबाजी के बीच काफी देर तक वाहनों में फंसे रहते हैं।

ऐसे मुश्किल समय में अनिल कुमार ने जिस तरह आगे बढ़कर ट्रैफिक को नियंत्रित किया, उसकी लोगों ने जमकर सराहना की और उन्हें 'आज का हीरो' बताया। खास बात यह है कि अनिल कुमार ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। जब भी उन्हें कहीं ट्रैफिक जाम दिखाई देता है, वह अपना ऑटो किनारे लगाकर लोगों की मदद के लिए आगे आ जाते हैं और यातायात को व्यवस्थित करवाने में जुट जाते हैं। अनिल कुमार का कहना है कि सड़क पर जाम में फंसे लोग भी हमारे अपने हैं। अगर थोड़ी सी कोशिश से उन्हें राहत मिल सकती है तो हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मदद के लिए आगे आना चाहिए।

अनिल कुमार की यह पहल न केवल सराहनीय है बल्कि समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी है कि व्यवस्था केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर नागरिक को अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार,चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद

करनाल, 26 अगस्त(प्रवीण वालिया)- जिला पुलिस करनाल द्वारा अपराध एवं चोरी की वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना सेक्टर 32/33 के अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी सेक्टर 9 की टीम द्वारा सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह द्वारा कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चोरी के एक मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान

बलविंदर पुत्र मैया सिंह निवासी बसंत विहार करनाल के रूप में हुई है।

पुलिस टीम ने आरोपी को आईटीआई चौक से काबू किया। तलाशी एवं पूछताछ के दौरान आरोपी के कब्जे से एक चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की गई।

प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि उसने उक्त मोटरसाइकिल को दिनांक 24 अगस्त 2026 की रात को पालम कालोनी से से चोरी कर घटना को अंजाम दिया था।

टीम द्वारा पूछताछ के उपरांत आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया,जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेज दिया गया।

रक्षाबंधन पर प्रदेश सरकार ने दी बहन-बेटियों को निःशुल्क बस यात्रा की सौगात : जगमोहन आनंद

विधायक जगमोहन आनंद ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जताया आभार

» प्रथम न्यूज । करनाल
26 अगस्त (प्रवीण वालिया)

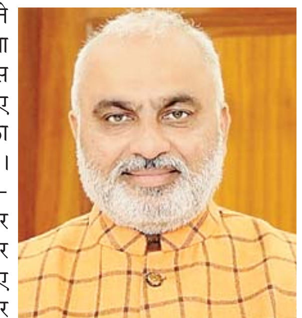

विधायक जगमोहन आनंद ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर हरियाणा की बहन-बेटियों को निःशुल्क बस यात्रा की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व है। इस पावन अवसर पर प्रदेश की बहन-बेटियों के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से की गई विशेष पहल उनके प्रति सम्मान और संवेदनशील सोच को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं सहित उनके 15 साल तक के बच्चों के लिए 27 अगस्त को दोपहर 12.00 बजे से 28 अगस्त की मध्यरात्रि (रात 12.00 बजे) तक बस यात्रा को मुफ्त किया गया है। यह सुविधा हरियाणा राज्य के भीतर चलने वाली बसों के साथ-साथ चंडीगढ़ और दिल्ली तक आने-जाने वाली साधारण बसों पर भी लागू होगी उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की यह सौगात रक्षाबंधन के पर्व की खुशियों को और बढ़ाने वाली है। प्रदेश की बहन-बेटियों के सम्मान और सुविधा के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ प्रदेश की बहन-बेटियों तक पहुंच रहा है।

नीट (पीजी) परीक्षा को शांतिपूर्ण सम्पन्न करवाने के लिए बीएनएसएस की धारा 163 के तहत जारी किए आदेश

कुरुक्षेत्र 26 अगस्त (बृज मोहन) जिलाधीश एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज नई दिल्ली की नीट (पीजी)की परीक्षा का आयोजन 30 अगस्त 2026 को कुरुक्षेत्र जिला के द्रोणाचार्य डिग्री कॉलेज में किया जाएगा। यह परीक्षा 30 अगस्त 2026 को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की जाएंगी। इन परीक्षाओं को सुचारु रुप से चलाने के लिए परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए है। जिलाधीश विश्राम कुमार मीणा ने जारी आदेशों में कहा है कि परीक्षा के दौरान कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा परीक्षाओं का सुचारु रूप से संचालन करवाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर की परिधि में धारा 163 लगाने के आदेश जारी किए है।

यह आदेश 30 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक जारी रहेंगे। इस समय अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति को परीक्षा केन्द्र की 200 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार का हथियार, मोबाईल फोन, वाई-फाई यंत्र ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इतना ही नहीं परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटो स्टेट की मशीन भी बंद रखी जाएंगी। उन्होंने कहा कि इन आदेशों की अवहेलना करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

किसान अपनी आय में वृद्धि के लिए अपनाए फसल विविधीकरण : डा. गिरीश नागपाल

कृषि के साथ-साथ मुर्गी पालन, पशुपालन, बागवानी इत्यादि को अपनाकर कमाया जा सकता है मुनाफा, फसल विविधीकरण से बढ़ती है मिट्टी की उपजाऊ व उर्वरा शक्ति

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
26 अगस्त (बृज मोहन)

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. गिरीश नागपाल ने कहा कि फसल विविधीकरण के क्षैतिज विविधीकरण के तहत एक ही फसल में जैसे गेहूं-धान, गेहूं-कपास, बाजरा, चना की बजाए अन्य फसलों या फसलों के मिश्रण से संबंधित खेती होती है।

फसल विविधीकरण के वर्टिकल विविधीकरण में अन्य फसलों से खाद्य प्रसंस्करण के साथ औद्योगीकरण का भी समावेश होता है। इसमें किसानों के कदम निवेश की ओर भी बढते है।

उपनिदेशक डा. गिरीश नागपाल ने बातचीत करते हुए कहा कि फसल विविधीकरण अपनाने से किसान का जोखिम भी कम होता है। यदि मौसम फसल उत्पादन के अनुकूल नहीं रहता तो भी किसान अपने अन्य संसाधनों को नहीं खोते। फसल विविधीकरण से किसानों का उत्पादन भी कई गुणा तक बढ़ सकता है और इससे आय भी पर्याप्त होगी।

फसल विविधीकरण से ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी सर्जित होते है। इसके साथ ही फसल विविधीकरण से मिट्टी की उपजाऊ एवं उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है तथा इससे भूमि में कीट नियंत्रण भी रहता है। वर्तमान परिस्थितियों में किसानों के लिए फसल विविधीकरण अत्यंत जरूरी हो गया है। फसल विविधिकरण से किसान परम्परागत फसल चक्र को छोडक़र कम खपत, कम पानी एवं कम लागत वाली फसलों तथा आय बढ़ाने वाले अन्य गैर कृषि विकल्पों को अपनाता है तो वह अवश्य ही आर्थिक सम्पन्नता की ओर बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि फसल विविधिकरण में मिश्रित मौसमीय सब्जियों की काश्त विशेष रूप से छोटे किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। विविधिकरण किसानों की फसलों में तीव्रता से वृद्धि करके अधिक उत्पादन करने में मददगार होता है।

इसके साथ ही किसान बागवानी फसलों में फल, फूल, सब्जी, खुंभी, शहद उत्पादन के साथ-साथ छोटे उद्योग धंधे जैसे जैम, जैली, मुरब्बा, चटनी, अचार आदि में निवेश करके बागवानी संबंधित प्रसंस्करण इकाईयों से भी अपनी आय बढ़ा सकते है। कृषि के साथ पशुपालन, मुर्गी पालन, और बागवानी जैसी गतिविधियां भी किसानों की आय का अच्छा साधन होती है।

जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक का अब 27 अगस्त को होगा आयोजन

कुरुक्षेत्र 26 अगस्त (बृज मोहन) इंस्पेक्टर जोगिंदर ढुल ने कहा कि जिला सडक़ सुरक्षा समिति/सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी तथा ब्लैक स्पॉट की 26 अगस्त को होने वाली बैठक को प्रशासनिक कारणों से स्थगित कर दिया गया है।

अब यह बैठक 27 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित की जाएगी। इस बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा करेंगे। पिछली बैठक की कार्यवाही के एजेंडा बिंदुओं के अनुसार कार्यवाही की रिपोर्ट जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय में पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि सडक़ सुरक्षा बैठक की पीपीटी समय पर तैयार की जा सके।

संक्षिप्त न्यूज

राजेश कुमार उर्फ़ पटवारी बने संस्कृत महाविद्यालय डंगार के पीटीए प्रधान

बरठीं, 26 अगस्त (देशराज) – राजकीय संस्कृत महाविद्यालय डंगार में अभिभावक–प्राध्यापक संघ के चुनाव हेतु आम सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संदीप शर्मा ने की। प्राचार्य ने विगत वित्त वर्ष की पीटीए की ओर से किए गए आय–व्यय का विवरण समस्त उपस्थित अभिभावकों एवं अध्यापकों के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सभा में सभी प्रतिनिधियों के चुनाव की प्रक्रिया सर्वसम्मति से संपन्न हुई। इसमें अध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार उर्फ़ पटवारी को सर्वसम्मति से चुना गया। इसके अलावा सुमन कुमारी को उपाध्यक्ष, डॉ. रोशन लाल को सचिव, उत्तमा देवी को सह सचिव और अश्विनी कुमार को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा सलाहकार के रूप में दीप कुमार शर्मा, निर्मला देवी और प्रमुख सदस्यों के रूप में रविकांत, राकेश कुमार, चंचल देवी एवं कंचन कुमारी का चयन किया गया। पीटीए के नवनिर्वाचित प्रधान राजेश कुमार ने महाविद्यालय के विकास कार्यों में और छात्र हित के समस्त कार्यों में कॉलेज प्रशासन का पूर्ण रूप से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना के तहत दो परियोजनाओं को मंजूरी

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम) – बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने तथा खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना के तहत जिला स्तरीय समिति की बैठक बचत भवन में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा के बाद राकेश कुमार धीमान की दुग्ध आधारित उत्पाद निर्माण परियोजना तथा सविता देवी की मसाला आधारित परियोजना को मंजूरी दी गई। दोनों लाभार्थियों को परियोजना लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 10 लाख रुपये प्रति इकाई तक पूंजीगत अनुदान मिलेगा। इसके साथ जिले में स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या 11 हो गई है। इससे पहले 9 लाभार्थियों की परियोजनाएं स्वीकृत हो चुकी हैं, जिनमें लहसुन, दूध, बेकरी, अदरक–लहसुन, पशु आहार और दाल आधारित उत्पाद शामिल हैं। जिला बिलासपुर के लिए 60 परियोजनाओं का लक्ष्य निर्धारित है। उपायुक्त ने सभी बैंकों को कम से कम एक परियोजना स्वीकृत करने तथा पात्र मामलों का प्राथमिकता से निपटारा करने के निर्देश दिए।

जिला महाप्रबंधक उद्योग मनोज कुमार ने बताया कि योजना के तहत नई इकाइयों की स्थापना और पुरानी इकाइयों के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता मिलती है। लाभार्थी का न्यूनतम अंशदान 10 प्रतिशत होता है, जबकि शेष राशि बैंक ऋण से उपलब्ध करवाई जाती है। प्रशासन द्वारा परियोजना रिपोर्ट, बैंक ऋण, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की सुविधाएं निःशुल्क दी जाती हैं। योजना में मसाले, अचार, चटनी, जैम–जेली, दूध उत्पाद, पनीर–घी, दाल–आटा, बेकरी, मशरूम, खाद्य तेल, पशु आहार सहित विभिन्न खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पात्र हैं।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर एचआईवी एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वाद विवाद प्रतियोगिता में अमृता व पोस्टर मेकिंग में चेतन अव्वल रहा

बद्दी, 26 अगस्त (तारा) – राजकीय महाविद्यालय बरोटीवाला में रेड रिबन क्लब की ओर से अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर राज्य स्तरीय एचआईवी, एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय डिफरेंट कॉन्टेक्ट्स कॉमन एस्पिरेशन्स रहा।

कार्यक्रम के दौरान वाद विवाद प्रतियोगिता एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में अमृता ने प्रथम, निशा ने द्वितीय तथा सलोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में चेतन ने प्रथम, शिवानी तिवारी ने द्वितीय तथा बीकाम प्रथम वर्ष की मुस्कान और बीकाम द्वितीय मुस्कान ने तृतीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में डॉ. गगन, डॉ. शशि एवं डॉ. अंजना सूद ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को एचआई वी, एड्स से बचाव, जागरूकता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित किया तथा एचआईवी से जुड़े भेदभाव और भ्रांतियों को दूर करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. गगन ने कहा कि एच आई वी, एड्स के प्रति जागरूकता और सही जानकारी ही इसके संक्रमण को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एचआईवी से संबंधित भ्रांतियों और सामाजिक भेदभाव को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा स्वयं जागरूक बनकर समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं फ्लैश मॉब प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों एवं उपस्थित सभी सदस्यों ने जागरूकता की शपथ लेकर एच आई वी, एड्स के प्रति स्वयं जागरूक रहने तथा दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य ने डॉ. गगन, डॉ. शशि एवं डॉ. अंजना सूद का कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने तथा अपना बहुमूल्य समय देने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, हिमाचल प्रदेश तथा एचपीएसएसीएस शिमला के सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया।

कृष्णगढ़ उप तहसील का दर्जा बढ़ाने व शिमला से कुठाड़ बस सेवा बहाल करने की मुख्यमंत्री से उठाई मांग

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
26 अगस्त (तारा)

दून विधानसभा की कृष्णगढ़ पंचायत के लोगों ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से दून विधानसभा क्षेत्र के विधायक राम कुमार चौधरी के नेतृत्व में शिमला विधानसभा में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से अवगत करवाते हुए इनके शीघ्र समाधान की मांग की।

इस दौरान लोगों ने विशेष रूप से शिमला से कुठाड़ तक निगम की चलने वाली बस सेवा को दोबारा बहाल करने की मांग रखी। ग्रामीणों ने बताया कि यह बस सेवा पिछले करीब 40 वर्षों से क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण साधन रही है। बस सेवा बंद होने के कारण कृष्णगढ़ पंचायत सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस पुरानी बस सेवा को जल्द बहाल किया जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने 35 वर्ष पुरानी कृष्णगढ़ उप तहसील का दर्जा बढ़ाने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। लोगों का कहना था कि क्षेत्र के बढ़ते विकास, आबादी और प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए उप तहसील का दर्जा बढ़ाना समय की जरूरत है। इससे क्षेत्रवासियों को प्रशासनिक कार्यों के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और उन्हें दूरदराज के कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी।

लोगों ने मुख्यमंत्री के समक्ष क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं और लंबे समय से लंबित मांगों को भी रखा तथा उम्मीद जताई कि सरकार इन पर सकारात्मक कार्रवाई करेगी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि क्षेत्र के विकास और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द समाधान के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित बस सेवा की बहाली और कृष्णगढ़ उप तहसील का दर्जा बढ़ाने जैसी महत्वपूर्ण मांगों पर शीघ्र निर्णय होगा।

क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री और विधायक चौधरी राम कुमार का समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने के लिए आभार जताया। लोगों को उम्मीद है कि सरकार के सकारात्मक रुख से कृष्णगढ़ पंचायत और आसपास के क्षेत्रों में परिवहन एवं प्रशासनिक सुविधाओं को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

इस दौरान जिला पेंशनर्ज संघ के अध्यक्ष केडी शर्मा, तारा दत्त, योगराज, संजीव शर्मा, सुदर्शन बाबा, श्यामलाल व मदन लाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रगान विवाद पर विक्रमादित्य का भाजपा पर हमला, बोले- असली मुद्दों से भटका रही भाजपा

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 अगस्त (वीना पाठक)

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के कथित अपमान को लेकर जारी विवाद के बीच लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है और पिछले तीन दिनों से राष्ट्रगान–राष्ट्रगीत के मुद्दे पर विधानसभा की कार्यवाही बाधित करने की कोशिश की जा रही है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दोनों का देश के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है और कांग्रेस के नेताओं का भी इनके साथ योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दोनों का सम्मान करती है, लेकिन विपक्ष को राजनीतिक मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय प्रदेश के वास्तविक और जनहित से जुड़े मुद्दों को विधानसभा में उठाना चाहिए।

लोक निर्माण मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के पास चर्चा के लिए कोई ठोस विषय नहीं है, इसलिए लोगों का ध्यान भटकाने के लिए बार–बार ऐसे मुद्दे उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, चीनी, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमत जैसे आम जनता से जुड़े कई मुद्दे हैं, लेकिन इन पर चर्चा करने के बजाय

जनता का ध्यान दूसरे विषयों की ओर मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का सम्मान होना चाहिए, लेकिन हर दिन इसी मुद्दे को उठाकर खुद को सबसे बड़ा देशभक्त साबित करने की कोशिश से प्रदेश की जनता का कोई भला नहीं होने वाला। उन्होंने विपक्ष से वास्तविक जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने की अपील की।

वहीं, हिमाचल में सड़कों की खस्ता हालत और समय पर टारिंग नहीं होने के मुद्दे पर विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि सरकार सड़कों की मरम्मत के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य की सड़कों और लोक निर्माण विभाग की सड़कों की मरम्मत के साथ बरसात से हुए नुकसान को भी ठीक किया जा रहा है।

विक्रमादित्य सिंह ने विधानसभा में मार्च और अप्रैल के दौरान सड़कों की टारिंग नहीं हो पाने को सरकार की कमी माना। उन्होंने कहा कि बिटुमिन की कीमतें बढ़ने के कारण यह समस्या आई, लेकिन अब इसकी भरपाई के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। मंत्री ने कहा कि मानसून खत्म होने के बाद पूरे प्रदेश में करीब 800 किलोमीटर सड़कों की टारिंग करवाई जाएगी। इसके साथ ही बरसात में सड़कों को हुए नुकसान की भी मरम्मत की जाएगी।

उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के पास उपलब्ध बजट के अनुसार ही काम करवाया जा सकता है। सरकार पहले बजट का प्रबंध करती है और उसके बाद उसे धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाता है।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वह खुद प्रदेश के अलग–अलग क्षेत्रों में जाकर बरसात से हुए सड़क नुकसान का निरीक्षण कर रहे हैं। खासकर अधिक प्रभावित क्षेत्रों में मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया जाएगा और सड़कों की मरम्मत का काम समय पर पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

राष्ट्रगान के कथित अपमान से जुड़े विवाद पर जयराम ठाकुर का पलटवार, बोले- वीडियो ने सामने लाया सच

भाजपा ने नहीं की राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत की तुलना- जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 अगस्त (वीना पाठक)

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के कथित अपमान को लेकर शुरू हुआ विवाद अब और गरमा गया है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी वीडियो को लेकर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। जयराम ठाकुर ने दावा किया कि वीडियो सामने आने के बाद साफ हो गया है कि राष्ट्रगान का किसी भी तरह से अपमान नहीं हुआ। जयराम ठाकुर ने कहा कि काफी आग्रह के बाद पांच दिन में राष्ट्रगान का वीडियो जारी किया गया। उन्होंने खुद इस वीडियो को कम से कम 10 बार देखने की बात कही और कहा कि कहीं भी राष्ट्रगान के अपमान जैसा कुछ नजर नहीं आया। उनके मुताबिक सभी सदस्यों ने पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रगान गाया।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि वीडियो सामने आने के बाद अब पूरी स्थिति स्पष्ट हो गई है और भाजपा आज विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में अगली व्यवस्था की मांग करेगी। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर सदन के भीतर झूठ बोलने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि 18 विधायकों के सामने मुख्यमंत्री की ओर से कही गई बात केवल सदन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इससे प्रदेश की 75 लाख जनता के सामने गलत संदेश गया।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देते हुए जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करवाए और भाजपा के खिलाफ नारे लगाए। जयराम ने कहा कि अब वीडियो सामने आने के बाद सब कुछ साफ हो गया है और राष्ट्रगान के अपमान को लेकर मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेताओं की ओर से लगाए गए आरोप गलत साबित हुए हैं। वहीं, तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी के आरोपों पर जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने कभी राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत की तुलना नहीं की। उन्होंने कहा कि पूरा विवाद केवल प्रोटोकॉल को लेकर है। जयराम ठाकुर ने 9 जुलाई की अधिसूचना का हवाला देते हुए कहा कि जहां राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों गाए जाने हों, वहां राष्ट्रगीत पहले और राष्ट्रगान बाद में गाए जाने की व्यवस्था दी गई है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के कार्यक्रम में भी यही व्यवस्था देखने को मिली, जहां पहले वंदे मातरम् और उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। जयराम ठाकुर ने कहा कि यही प्रोटोकॉल पूरे देश में लागू होना चाहिए।

नशे की रोकथाम में परिवार और समाज की भूमिका अहम : उपायुक्त मुकेश रेपस्वाल

नशे से पीड़ित युवाओं का वीडियो बनाने के बजाय अपनाएं सकारात्मक दृष्टिकोण, मास्टर प्रशिक्षकों एवं नशा मुक्ति मित्रों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

» प्रथम न्यूज । चम्बा
26 अगस्त (एएम नाथ)

जिला मुख्यालय चम्बा में आज नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण विभाग, हिमाचल प्रदेश तथा जिला प्रशासन चम्बा के संयुक्त तत्वावधान में मास्टर प्रशिक्षकों एवं नशा मुक्ति मित्रों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त मुकेश रेपस्वाल ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कार्यशाला के दौरान गुंजन ऑर्गनाइजेशन फॉर कम्युनिटी डेवलपमेंट, धर्मशाला के प्रशिक्षक पंकज पंडित एवं विजय सिंह ने समाज में बढ़ती नशे की समस्या, इसके दुष्प्रभावों तथा रोकथाम के उपायों पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में जिला चम्बा की नशे के अधिक उपयोग वाली चिन्हित 13 रेड मार्क स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत सचिवों के साथ तहसील कल्याण अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शारीरिक शिक्षक, स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने कहा कि नशे की समस्या समाज में एक गंभीर चुनौती के रूप में सामने आ रही है, जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अनेक परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को सामूहिक रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी नशा मुक्ति मित्रों तथा नागरिकों से नशे के विरुद्ध अभियान में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या के दो प्रमुख पहलू मांग और सप्लाई हैं। उन्होंने कहा कि नशे की सप्लाई पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस तथा अन्य संबंधित एजेंसियां लगातार कार्य कर रही हैं, वहीं नशे की मांग को कम करने में समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि हम नशे की मांग को कम करने में सफल होते हैं तो इससे सप्लाई पर भी प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए शुरुआती स्तर पर ही सावधानी बरतना आवश्यक है। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना चाहिए और यदि किसी बच्चे में नशे की प्रवृत्ति दिखाई देती है तो उसकी काउंसलिंग करवाने, उसे समझाने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित उपचार उपलब्ध करवाने की दिशा में समय रहते कदम उठाने चाहिए। इससे युवा पीढ़ी को नशे के दलदल में फंसने से बचाया जा सकता है।

उपायुक्त ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे की लत एक स्वास्थ्य संबंधी समस्या है और इसका उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार एवं सहयोग से किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है तथा समाज में नशे की मांग को कम किया जा सकता है। उन्होंने सभी से नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

उपायुक्त ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में कोई व्यक्ति नशीले पदार्थों की बिक्री करता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या को केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या न समझकर इसे पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में लेना होगा। उन्होंने कहा कि आज किसी दूसरे का बच्चा नशे की चपेट में है तो भविष्य में हमारा अपना बच्चा भी इसका शिकार हो सकता है, इसलिए समय रहते सामूहिक प्रयास करना जरूरी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले उन वीडियो का भी उल्लेख किया, जिनमें नशा करते हुए पकड़े गए युवाओं के साथ मारपीट करते हुए वीडियो बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करना उचित नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति की निजता और गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आया युवा अक्सर एक भटका हुआ व्यक्ति होता है, ऐसे में उसकी स्थिति को समझते हुए उसके साथ सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे मामलों में वीडियो बनाने या उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के बजाय संबंधित व्यक्ति के परिवार को सूचित करें, उससे संवाद करें और आवश्यकता पड़ने पर उसे उचित सहायता एवं उपचार दिलाने का प्रयास करें।

उपायुक्त ने कार्यशाला में उपस्थित सभी नशा मुक्ति मित्रों से इस विषय की गंभीरता को समझते हुए समाज से नशे जैसी समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने, उनकी काउंसलिंग करने तथा उन्हें नशे से दूर रखने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक बलदेव दत्त, जिला कल्याण अधिकारी मंजुल ठाकुर, उपनिदेशक शिक्षा विकास महाजन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. करण हितेषी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब बद्दी ने हाऊसिंग बोर्ड कालोनी के पार्क में वृक्षारोपण

नगर निगम के संयुक्त आयुक्त अंकुर ठाकुर ने भी लगाया पौधा

» प्रथम न्यूज । बद्दी
26 अगस्त (तारा)

रोटरी क्लब बद्दी की ओर से हाउसिंग बोर्ड पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने तथा लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर नगर निगम बद्दी के संयुक्त आयुक्त अंकुर ठाकुर, अधिशासी अभियंता सुमित आज़ाद, सहायक अभियंता रमेश्वर नेगी एवं एसडीओ विनोद पाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और रोटरी क्लब बद्दी के इस प्रयास की सराहना की।

रोटरी क्लब बद्दी के अध्यक्ष रोटेरियन संजीव वर्मा ने कहा कि क्लब ने क्षेत्र में कुल 200 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य के तहत कुछ स्थानों पर पौधारोपण किया जा चुका है और आने वाले दिनों में अन्य उपयुक्त स्थानों पर भी पौधे लगाए जाएंगे। पौधारोपण के साथ–साथ लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि वे बड़े होकर पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

ज्वाइंट कमिश्नर अंकुर ठाकुर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन की ओर से पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पौधारोपण कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर भाग लें और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर रोटरी क्लब बद्दी के अध्यक्ष रोटेरियन संजीव वर्मा एवं सचिव रोटेरियन सतीश कौशल के साथ डॉ. भारद्वाज, राजेश बंसल, जगदीप अरोड़ा, टेक चंद कौशल एवं कार्तिक शर्मा ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।रोटरी क्लब बद्दी ने आमजन से अपील की कि वे अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाएं।

चीनी के बढ़ते दामों पर अंकुश के लिए जिले में सख्ती, 400 मीट्रिक टन से अधिक स्टॉक पर रोक

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
26 अगस्त (जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर में चीनी के बढ़ते दामों पर अंकुश लगाने तथा बाजार में इसकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला बिलासपुर में चीनी के भंडारण एवं उपलब्ध स्टॉक की नियमित निगरानी की जा रही है। जिले में कार्यरत 40 थोक व्यापारियों के लिए चीनी के स्टॉक की सीमा निर्धारित की गई है, ताकि अनावश्यक भंडारण एवं जमाखोरी पर रोक लगाई जा सके।

जिला नियंत्रक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, बिलासपुर शीतल शर्मा ने बताया कि निर्धारित व्यवस्था के तहत जिले के सभी थोक व्यापारियों को आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिले के थोक व्यापारी कुल मिलाकर 400 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। उन्होंने बताया कि बाजार में चीनी की उपलब्धता की नियमित निगरानी के लिए सभी थोक व्यापारियों को अपने पास उपलब्ध स्टॉक की जानकारी प्रतिदिन खाद्य स्टॉक पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे विभाग को बाजार में उपलब्ध चीनी की मात्रा की नियमित जानकारी मिल सकेगी और निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण पर प्रभावी निगरानी की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि जिन दुकानदारों की प्रति माह चीनी की खपत 10 मीट्रिक टन तक है, वे अधिकतम 15 दिन की खपत के बराबर स्टॉक ही अपने पास रख सकेंगे। विभाग द्वारा निर्धारित स्टॉक सीमा के अनुपालन की नियमित जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना, अनावश्यक भंडारण एवं जमाखोरी पर रोक लगाना तथा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगा।

पसिंदु-कमिंदु ने कोलंबो टेस्ट में कराई श्रीलंका की वापसी

क्या फॉलोऑन देना कप्तान शुभमन गिल को पड़ेगा भारी?

पसिंदु सूरियाबंदारा और कमिंदु मेंडिस के अर्धशतकों के दम पर श्रीलंका की टीम ने भारत की लीड को खत्म कर दिया है। हालांकि, चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंकाई टीम ने 6 विकेट गंवा दिए हैं और उनकी बढ़त मात्र 16 रनों की है। चौथे दिन श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को खूब परेशान किया और विकेट के लिए तरसाया।

चौथे दिन के दूसरे सेशन में श्रीलंका की टीम ने मात्र एक विकेट गंवाया और 100 से अधिक रन बनाए। श्रीलंका की टीम ने एक समय पर 3 विकेट गंवाकर 209 रन बना लिए थे और ऐसा लग रहा था कि वे टीम इंडिया के सामने अच्छा स्कोर बना लेंगे। हालांकि, तीसरे सेशन में मानव सुथार और सारांश जैन ने भारतीय टीम की वापसी कराई। भारत ने तीसरे सेशन में 3 विकेट लिए।

भारत ने श्रीलंका को दिया था फॉलोऑन

श्रीलंका की टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 8 विकेट के नुकसान पर 265 रन बना लिए थे। चौथे दिन का खेल शुरू होने के बाद श्रीलंकाई टीम 25 रन जोड़ सकी और 290 रन पर ऑलआउट हो गई। भारतीय टीम ने फॉलोऑन देने का फैसला किया। भारत के लिए गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3-3 विकेट हासिल किए। सारांश जैन ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट लिया।

दूसरी पारी में श्रीलंका की शानदार बल्लेबाजी

भारत ने श्रीलंका को फॉलोऑन देने का फैसला किया और श्रीलंका की टीम ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की। मेजबानों को शुरुआत अच्छी नहीं मिली और उन्होंने 5 रनों के स्कोर पर लहिरु उदारा के रूप में पहला विकेट गंवाया। इसके बाद कामिल मिशारा और पसिंदु सूरियाबंदारा ने पारी को संभाला। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई लेकिन मिशारा को रवींद्र जडेजा ने 32 रनों के स्कोर पर आउट कर साझेदारी को तोड़ दिया।

पसिंदु सूरियाबंदारा शतक से चूके

पहले टेस्ट मैच में डेब्यू करने वाले पसिंदु ने दूसरे मुकाबले की दोनों पारियों में कमाल की बल्लेबाजी की। उन्होंने पहली पारी में 80 रन बनाए। दूसरी इनिंग में भी पसिंदु ने कमाल की बैटिंग की और भारतीय गेंदबाजों की नाक में दम कर दिया। उन्होंने 173 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्के की मदद से 92 रनों की पारी खेली। वे शतक लगाने से चूक गए। पसिंदु शानदार बैटिंग कर रहे थे लेकिन मानव सुथार की एक गेंद पर उन्होंने क्रीज से आगे बढ़कर शॉट लगाने की कोशिश की। मानव ने गेंद को बाहर डाल दिया, जिससे पसिंदु के रीच से गेंद दूर हो गई और वे खेल नहीं सके। विकेट के पीछे से ऋषभ पंत ने कोई गलती नहीं की और उन्हें स्टंप आउट कर दिया।

कमिंदु मेंडिस का अर्धशतक

पसिंदु के साथ मिलकर कमिंदु मेंडिस ने श्रीलंका को लगभग ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया था, जहां से ऐसा लगने लगा था कि मैच ड्रॉ हो जाएगा। कमिंदु ने 55 रनों की पारी खेली। प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें आउट कर पसिंदु के साथ साझेदारी को तोड़ दिया।

तीसरे सेशन में भारतीय गेंदबाजों की वापसी

दूसरा सेशन श्रीलंका के नाम रहा लेकिन तीसरे सेशन में टीम इंडिया ने वापसी की। मानव सुथार ने सबसे पहले श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा को 23 रनों के स्कोर पर अपना शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने पसिंदु को स्टंप आउट कर भारत को सबसे बड़ी सफलता दिलाई। सारांश जैन ने विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को आउट कर दिया और श्रीलंका ने छठा विकेट गंवा दिया।

बारिश की वजह से दिन का पूरा खेल नहीं हो सका। चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने 6 विकेट के नुकसान पर 229 रन बना लिए हैं। श्रीलंका के लिए सोनल दिनूशा 7 और केशारा नुवंता 3 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत के लिए मानव सुथार ने 2 विकेट चटकाए। प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, सारांश और रवींद्र जडेजा के भी नाम एक-एक विकेट रहा।

रवींद्र जडेजा भारतीय टीम के लिए बने सबसे बड़े सिरदर्द, एक गलती की वजह से शर्मनाक लिस्ट में जुड़ा नाम

भारत के दिग्गज हरफनमौला खिलाड़ी रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। जडेजा की गेंदबाजी में अक्सर नो-बॉल देखने को मिलता है। जडेजा एक स्पिनर हैं और स्पिन गेंदबाजों द्वारा नो-बॉल बहुत ही कम देखने को मिलता है। हालांकि, जडेजा को हर टेस्ट मैच में नो-बॉल करते हुए देखा गया है और वे ये गलती बार-बार करते हैं। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। पहली पारी में जडेजा ने 3 नो-बॉल फेंकी, जबकि दूसरी पारी में एक नो-बॉल कर चुके हैं। इसी के साथ उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 2021 से सबसे अधिक नो-बॉल हो गई है। हैरानी की बात ये है कि जो

गेंदबाज दूसरे स्थान पर है, उसने जडेजा से काफी कम नो-बॉल फेंकी है।

रवींद्र जडेजा ने फेंकी सबसे अधिक नो-बॉल : 2021 से अब तक के रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो जडेजा के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक नो-बॉल फेंकने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 88 नो-बॉल की हैं। दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के नोमान अली मौजूद हैं, जिन्होंने 40 नो-बॉल फेंकी है। जडेजा के नो-बॉल फेंकने की वजह से भारत को इसका कई बार नुकसान उठाना पड़ता है। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका की पहली पारी के दौरान धनंजय डी सिल्वा आउट हो गए थे लेकिन नो-बॉल की वजह से उन्हें जीवनदान मिल गया।

भारत-श्रीलंका टेस्ट के चार दिन समाप्त

कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के चार दिन समाप्त हो गए हैं। भारतीय टीम फिलहाल टेस्ट मैच में आग है लेकिन पांचवें दिन उन्हें श्रीलंका को पहले सेशन में आउट करना होगा। बारिश भी मुकाबले के नतीजे में बड़ी बाधा बन सकती है। भारत ने पहली पारी में 503 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 290 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद टीम इंडिया ने मेजबानों को फॉलोऑन देने का फैसला किया था।

भारत ने दिया था फॉलोऑन

श्रीलंका की टीम ने दूसरी पारी में अच्छी बैटिंग की है और भारत पर 16 रनों की बढ़त बना ली है। हालांकि, उन्होंने 6 विकेट गंवा दिए हैं और ऐसे में भारतीय टीम पांचवें दिन श्रीलंका को जल्दी से जल्दी आउट करना चाहेगी। टीम इंडिया के लिए सोनल दिनूशा सबसे बड़ा सिरदर्द होंगे क्योंकि उन्होंने अब तक खेली गई तीनों पारियों में 50+ का स्कोर बनाया है, जिसमें एक शतक शामिल है।

पाकिस्तान महिला टीम को झटका, 3 टी20 वर्ल्ड कप खेलने वाली गेंदबाज Aiman Anwer ने क्रिकेट को कहा अलविदा

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार, 26 अगस्त को पुष्टि की कि तेज गेंदबाज ऐमन अनवर (Aiman Anwer) ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। अनवर ने 2016 में पाकिस्तान महिला टीम के लिए डेब्यू किया था और 37 T20 मैच खेले। संयोग से वह अपनी टीम के लिए T20 खेलने वाली 37वीं खिलाड़ी बनीं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए आठ वनडे मैच भी खेले।

33 विकेट अपने नाम किए

नेशनल टीम के लिए उनका आखिरी मैच दक्षिण अफ्रीका में ICC महिला T20 वर्ल्ड कप 2023 में था। 34 साल की इस खिलाड़ी के

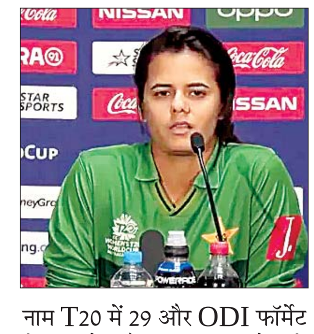

नाम T20 में 29 और ODI फॉर्मेट में 4 विकेट हैं। फटाफट क्रिकेट में उनकी औसत 29.44 की और इकोनॉमी 6.98 की रही। उनका बेस्ट प्रदर्शन 3/30 है। वहीं वनडे में अनवर की औसत 45.50 और इकोनॉमी 4.13 की रही। 1/13 इस प्रारूप में उनका बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन है।

3 टी20 वर्ल्ड कप खेले

अनवर उस पाकिस्तानी टीम का भी हिस्सा थीं जिसने 2018, 2020 और 2023 में महिला ञ्20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। उन्होंने 2022 में न्यूजीलैंड में हुए ICC महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भी खेला था। इंग्लैंड के खिलाफ लीग स्टेज का मैच इस तेज गेंदबाज का टीम के लिए आखिरी ODI मैच था। वहीं, पाकिस्तान के लिए अनवर का आखिरी T20 मैच 2023 T20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ था।

Pratham News
@dainikprathamnews
वीरवार, 27 अगस्त 2026
प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
क्षेत्रीय समाचार
Website : www.prathamnews.in

हटली पंचायत में विकास कार्यों की जांच, बीडीओ के निरीक्षण से मचा हड़कंप

» प्रथम न्यूज । बंगाणा

26 अगस्त (जोगिंद्र देव आर्य)

विकास खंड बंगाणा की ग्राम पंचायत हटली में करवाए जा रहे विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति जांचने के लिए खंड विकास अधिकारी केएल वर्मा ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

अचानक हुए निरीक्षण के दौरान पंचायत में चल रहे तथा पूर्ण किए जा चुके विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने यह देखने का प्रयास किया कि विकास कार्य सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज विवरण और निर्धारित मापदंडों के अनुरूप धरातल पर कितने प्रभावी ढंग से दिखाई दे रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान कुछ विकास कार्यों की स्थिति अपेक्षित रूप से नजर नहीं आने पर अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। बीडीओ ने मौके पर कार्यों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित लोगों से कार्यों के संबंध में जानकारी हासिल की। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता, उपयोग की गई सामग्री, कार्य की प्रगति तथा मौके पर दिखाई दे रहे परिणामों को लेकर आवश्यक जानकारी जुटाई।

धरातल पर काम की स्थिति पर उठे सवाल

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि पंचायत में विकास के नाम पर स्वीकृत सरकारी धन का सही उपयोग हो रहा है या नहीं और जिन कार्यों को रिकॉर्ड में पूरा अथवा प्रगति पर दर्शाया गया है, उनकी वास्तविक स्थिति क्या है। कुछ स्थानों पर कार्य अपेक्षित स्थिति में नहीं मिलने के बाद विभागीय स्तर पर मामले को गंभीरता से लिया गया है।

बीडीओ के निरीक्षण के दौरान पंचायत से जुड़े विकास कार्यों की जानकारी भी ली गई। अधिकारियों ने यह भी देखा कि संबंधित कार्यों को निर्धारित नियमों और विभागीय मापदंडों के अनुसार करवाया गया है या नहीं। निरीक्षण के बाद संबंधित रिकॉर्ड और मौके की स्थिति का मिलान किए जाने की संभावना है।

बीडीओ ने दिए आवश्यक निर्देश

खंड विकास अधिकारी केएल वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंचायत में करवाए जा रहे सभी विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से विकास कार्यों के लिए उपलब्ध करवाए जाने वाले धन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। इसलिए प्रत्येक कार्य का लाभ आम जनता तक पहुंचना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उनका प्रभाव मौके पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। कार्यों में निर्धारित मापदंडों का पालन किया जाना आवश्यक है और किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रिकॉर्ड और मौके की स्थिति की होगी पड़ताल

निरीक्षण के बाद अब संबंधित विकास कार्यों के रिकॉर्ड, स्वीकृत राशि, कार्य की प्रगति और मौके पर उपलब्ध स्थिति का मिलान किए जाने की उम्मीद है। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो विभागीय नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायतों में विकास कार्यों की समय-समय पर मौके पर जांच होने से कार्यों की गुणवत्ता में सुधार आएगा और सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से लोगों तक पहुंच सकेगा। वहीं, विभागीय निरीक्षण के बाद पंचायत में करवाए जा रहे विकास कार्यों को लेकर जिम्मेदारी भी तय होने की संभावना है।

बीडीओ के निरीक्षण ने स्पष्ट कर दिया है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और धरातलीय स्थिति को लेकर विभाग गंभीर है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि निरीक्षण में सामने आई कमियों को दूर करने के लिए संबंधित स्तर पर क्या कदम उठाए जाते हैं।

विद्यालयों तक पहुंचे नवाचारी शिक्षण के तरीके, उपायुक्त ने किया डाइट जुखाला का निरीक्षण

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

26 अगस्त (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)

उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) जुखाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में विज्ञान, तकनीक, नवाचार एवं शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

उपायुक्त ने विद्यार्थियों के लिए विज्ञान विषय को रुचिकर, व्यावहारिक एवं अनुभव आधारित बनाने के लिए डाइट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालयों तक नवाचारी शिक्षण विधियों को पहुंचाना विद्यार्थियों में जिज्ञासा एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय प्रयोग, गतिविधियों, तकनीक एवं अनुभव आधारित सीखने के अवसर उपलब्ध करवाए जाने चाहिए। उन्होंने डाइट के माध्यम से विकसित की जा रही नवाचारी शिक्षण विधियों एवं गतिविधियों को अधिक से अधिक विद्यालयों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने डाइट के प्रशिक्षुओं से संवाद कर उनके प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक अनुभवों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करवाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने, प्रयोग करने, समस्याओं के समाधान खोजने तथा नई चीजें सीखने की जिज्ञासा विकसित करना भी है। उन्होंने भावी शिक्षकों को संस्थान में सीखी जा रही नवाचारी एवं अनुभवात्मक शिक्षण विधियों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए डाइट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान एवं तकनीक आधारित गतिविधियों को विद्यालय स्तर तक पहुंचाने से विद्यार्थियों की सीखने में रुचि, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक सोच को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों एवं प्रशिक्षुओं को नवाचारी शिक्षण के इन प्रयासों को निरंतर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य रमेश मनकोटिया ने उपायुक्त को अवगत करवाया कि पिछले वर्ष प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 1,200 विद्यार्थियों ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बिलासपुर की रोबोटिक्स एवं ड्रोन प्रयोगशाला, विज्ञान केंद्र तथा आभासी वास्तविकता प्रयोगशाला का भ्रमण किया।

इस अवसर पर जिला उपनिदेशक एवं जिला परियोजना अधिकारी निशा गुप्ता, मीडिया समन्वयक विजय शर्मा, शजुनैद खान, अतुल शर्मा, नरेश चंद, चंद्रकांत भारद्वाज, डॉ. नीलम, श्रीमती रीता कुमारी, सतीश कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अनीश भारद्वाज और मान्या रल्हन ने जीते जिला बैडमिंटन खिताब

» प्रथम न्यूज । जालंधर

26 अगस्त (डोगरा)

चार दिवसीय इनोसेंट हार्ट्स जालंधर जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप का मंगलवार को रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में समापन हुआ। पुरुष सिंगल्स के फाइनल में अनीश भारद्वाज ने जोरावर सिंह को 13-15, 15-8, 15-11 से हराकर खिताब जीता। महिला सिंगल्स में मान्या रल्हन ने मौजूदा चैंपियन समृद्धि भारद्वाज को 15-10, 15-11 से हराया। दोनों विजेताओं को ट्रॉफी के साथ 21-21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। पूर्व राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी कंवलजीत सिंह काका को खेल के क्षेत्र में लंबे योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डीसी वरजीत वालिया ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि मान सरकार पंजाब में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले चार वर्षों में 3,100 ग्रामीण खेल मैदान और 600 ग्रामीण जिम तैयार किए गए हैं। पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव रितिन खन्ना ने बताया कि

प्रतियोगिता में रिकॉर्ड 600 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अंडर-11 से 60+ वेटरन वर्ग तक 38 स्पर्धाओं में कुल 504 मुकाबले खेले गए। विजेताओं को 5 लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि सहित अन्य पुरस्कार दिए गए। अंडर-11 में वंश शर्मा और समरीत कौर, अंडर-13 में अभिजय मनकतला और निमरत कौर मान तथा अंडर-15 में जोरावर सिंह लुबाना और प्रभसिरत कौर विजेता रहे। अंडर-17 में जोरावर सिंह व शिवाली शर्मा और अंडर-19 में जोरावर सिंह व शिवाली शर्मा ने खिताब जीते। मास्टर्स वर्ग में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

दून व नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र की सीमा पर खुलेगा बिजली बोर्ड का एसई कार्यालय

सीएम की घोषणा का दून के विधायक ने किया स्वागत

» प्रथम न्यूज । बद्दी

26 अगस्त (तारा)

दून विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामकुमार चौधरी ने विधानसभा सत्र के दौरान लगाए गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा पीरस्थान में दून एवं नालागढ़ विधानसभा क्षेत्रों के लिए बिजली बोर्ड का एसई (अधीक्षण अभियंता) कार्यालय खोले जाने संबंधी दिए गए आश्वासन पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

विधायक रामकुमार चौधरी ने कहा कि दून और नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र औद्योगिक दृष्टि से प्रदेश के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं और बीबीएन में बड़ी संख्या में उद्योग स्थापित हैं। ऐसे में क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था से संबंधित कार्यों का त्वरित निपटारा बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सदन में अपने वक्तव्य के माध्यम से आश्वस्त किया है कि पीरस्थान में बिजली बोर्ड का एसई कार्यालय खोला जाएगा। इसके स्थापित होने के बाद दून और नालागढ़ विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित बिजली बोर्ड की फाइलें सोलन भेजने के बजाय स्थानीय स्तर पर ही उनका निपटारा हो सकेगा। इससे निर्णय प्रक्रिया तेज होगी और क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी।

रामकुमार चौधरी ने कहा कि पीरस्थान में बिजली बोर्ड का एसई कार्यालय स्थापित होने से विद्युत आपूर्ति, नए कनेक्शन, बिजली के लोड से संबंधित मामलों तथा अन्य तकनीकी और प्रशासनिक कार्यों की फाइलों का निपटारा स्थानीय स्तर पर ही हो सकेगा। इससे बीबीएन के लोगों और यहां स्थापित उद्योगों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऐसे कई महत्वपूर्ण मामले और फाइलें सोलन स्थित कार्यालय को भेजनी पड़ती हैं, जिससे इनके निपटारे में समय लगता है। पीरस्थान में एसई कार्यालय स्थापित होने के बाद इन मामलों का निपटारा यहीं होने से समय की बचत होगी और उपभोक्ताओं तथा उद्योगों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिलेगी।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए इस आश्वासन से बीबीएन के उद्योगों के साथ-साथ आम जनता को भी बड़ी राहत मिलेगी। एसई कार्यालय स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से उद्योगों और उपभोक्ताओं से जुड़े विद्युत मामलों के निपटारे में अनावश्यक देरी कम होगी और औद्योगिक गतिविधियों को भी लाभ मिलेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीरस्थान में बिजली बोर्ड का एसई कार्यालय खोलने संबंधी मुख्यमंत्री का सदन में दिया गया आश्वासन बीबीएन के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

दीनानगर बस स्टैंड पर मनचलों का आतंक, छात्राओं की सुरक्षा पर उठे सवाल

स्कूल-कॉलेज खुलते ही सक्रिय हुई मनचलों की टोलियां, पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल

» प्रथम न्यूज । दीनानगर

26 अगस्त (फकीरचंद भारद्वाज)

दीनानगर शहर में स्कूलों और कॉलेजों के खुलने के साथ ही छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आने लगी हैं। शहर के मुख्य बस स्टैंड पर प्रतिदिन सुबह और दोपहर के समय मनचलों की टोलियां खुलेआम घूमती नजर आती हैं, जो स्कूल और कॉलेज जाने वाली छात्राओं पर फब्तियां कसने, उनका पीछा करने और उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने का काम कर रही हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ सार्वजनिक स्थान पर होने के बावजूद पुलिस प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह स्कूल और कॉलेज जाने के समय तथा दोपहर में छुट्टी के दौरान बस स्टैंड परिसर में कुछ युवक समूह बनाकर खड़े रहते हैं। छात्राओं के वहां पहुंचते ही वे अभद्र टिप्पणियां करते हैं और उनका ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस स्थिति के कारण कई छात्राएं और उनके अभिभावक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि वे अपनी बेटियों को शिक्षा दिलाने के लिए घर से बाहर भेजते हैं, लेकिन यदि सार्वजनिक स्थानों पर ही उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पाएगी तो यह बेहद चिंताजनक स्थिति है।

वहीं, शहरवासियों का आरोप है कि बस स्टैंड जैसे संवेदनशील स्थान पर नियमित पुलिस गश्त और निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन वर्तमान में पुलिस की मौजूदगी नाममात्र की दिखाई देती है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर अंकुश नहीं लगाया गया तो मनचलों के हौसले और अधिक बढ़ सकते हैं, जिससे किसी गंभीर घटना की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने भी इस मामले में चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। बस स्टैंड, स्कूलों और कॉलेजों के आसपास नियमित पेट्रोलिंग, सीसीटीवी निगरानी और एंटी-रोमियो टीमों की तैनाती समय की आवश्यकता बन चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस स्टैंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्राएं विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के लिए बसों का इंतजार करती हैं। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्व वहां खड़े होकर अभद्र टिप्पणियां करते हैं और छात्राओं को असहज महसूस करवाते हैं। कई छात्राएं सामाजिक बदनामी और अनावश्यक परेशानियों के डर से शिकायत दर्ज करवाने से भी हिचकिचाती हैं। अभिभावकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

केवल वोट बैंक तक सीमित न रखकर छात्राओं और महिलाओं को दिलाए वास्तविक सत्कार- भूपिंदर सिंह, भाजपा कार्यकर्त्ता

दीनानगर के युवा एवं सक्रिय भाजपा कार्यकर्ता भूपिंदर सिंह ने छात्राओं के साथ हो रही छेड़छाड़ की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को मावां धीयां सत्कार जैसे नारों को केवल वोट बैंक की राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि छात्राओं और महिलाओं को वास्तविक सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीनानगर बस स्टैंड और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास मनचलों की बढ़ती गतिविधियां कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। भूपिंदर सिंह ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जब तक बेटियां सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तब तक किसी भी योजना का उद्देश्य पूरा नहीं माना जा सकता। बेटियों की सुरक्षा और सम्मान ही उनका वास्तविक सत्कार है।

संक्षिप्त न्यूज

ओवरलोड डंपरों पर एसडीएम का एक्शन, चार वाहनों के काटे चालान

घरौंडा, 26 अगस्त (प्रवीण वालिया)– घरौंडा शहर की सड़कों पर क्षमता से अधिक रेत भरकर दौड़ रहे वाहनों पर स्थानीय प्रशासन ने कार्रवाई की है। बुधवार को सर्विस रोड से गुजर रहे चार ओवरलोड डंपरों को एसडीएम ने मौके पर रुकवाया। इसके बाद घरौंडा पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस की सहायता से चारों डंपरों को कब्जे में लेकर उनका वजन करवाया गया। जांच में सभी डंपरों में निर्धारित क्षमता से अधिक रेत लदा मिला। इसके बाद प्रशासन ने चारों वाहनों को इंपाउंड कर दिया और चारों के चालान काटे। जानकारी के अनुसार, एसडीएम राजेश सोनी अपने कार्यालय की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर सर्विस रोड पर रेत से भरे ओवरलोड डंपरों पर पड़ी। चारों डंपर एक के पीछे एक कतार में चल रहे थे। एसडीएम की गाड़ी को देखकर डंपर चालकों ने वाहनों को तेज गति से आगे निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान एसडीएम की गाड़ी सबसे आगे चल रहे डंपर के सामने पहुंच गई और चारों वाहनों को मौके पर ही रोक लिया गया।

इसके बाद एसडीएम ने तुरंत घरौंडा पुलिस को मौके पर बुलाया। पुलिस की मौजूदगी में चारों डंपरों को कब्जे में लेकर वजन करवाया गया। वजन की जांच में वाहनों में उनकी तय क्षमता से अधिक रेत भरा मिला। कुछ ओवरलोड डंपरों के आगे की नंबर प्लेट भी गायब थी। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सभी चार डंपरों को इंपाउंड कर दिया।

एसडीएम राजेश सोनी ने बताया कि चारों डंपरों को पकड़ लिया गया है और इनमें क्षमता से अधिक रेत लोड था। सभी वाहनों को इंपाउंड किया गया है। नियमानुसार इनके चालान भी काटे गए है। उन्होंने ओवरलोड वाहन चालकों को चेतावनी दी कि वाहन में निर्धारित क्षमता के अनुसार ही माल लोड करें। यदि किसी वाहन में क्षमता से अधिक माल पाया गया तो उसे इंपाउंड करने के साथ-साथ मोटा चालान भी कटेगा।

स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी गिरफ्तार, छीनी गई सोने की चेन बरामद

करनाल, 26 अगस्त (प्रवीण वालिया)– जिला पुलिस करनाल द्वारा स्नैचिंग की वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा वारदातों में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सीआईए-3 की टीम ने प्रभारी निरीक्षक अजेय सागवान के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी जतिन पुत्र अनिल कुमार, निवासी त्रिलोकपुरी, ईस्ट दिल्ली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से वारदात में छीनी गई सोने की चेन बरामद की गई है। मामले के अनुसंधान अधिकारी ने बताया कि दिनांक 24 अगस्त 2026 को एक महिला ने थाना सेक्टर-32/33 करनाल में शिकायत दी थी कि वह सुबह के समय स्कूल जाने के लिए कर्ण विहार ग्रीन बेल्ट के पास स्कूल बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक पीछे से आए और उसके गले से सोने की चेन तोड़कर मौके से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-32/33 करनाल में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की जांच के दौरान सीआईए-3 की टीम ने तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी जतिन को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से वारदात में छीनी गई सोने की चेन बरामद की गई है। मामले में शामिल दूसरे आरोपी की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। जिला पुलिस करनाल द्वारा स्पष्ट किया गया है कि स्नैचिंग एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार प्रभावी एवं सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

लगातार बढ़ती महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

शहरों और कस्बों में बढ़ती महंगाई के खिलाफ केंद्र सरकार के विरोध में 29 सितंबर को प्रदर्शन करने का आह्वान किया गया है

» प्रथम न्यूज । जालंधर

26 अगस्त (पुनीत महाजन)

क्रांतिकारी मार्क्सवादी पार्टी ऑफ इंडिया (आरएमपीआई) और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीएमसी चौक पर महंगाई विरोधी तख्तियां लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। खाद्य पदार्थों, विशेषकर चीनी और गुड़ की कीमतों में हाल ही में हुई वृद्धि के विरोध में आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व कॉमरेड मंगत राम पसला, सुखदर्शन नट, परगत सिंह जमराई और गुरजंत सिंह मनसा ने किया।

देश भगत यादगार कमेटी के सचिव गुरमीत सिंह और कमेटी सदस्य सुरिंदर कुमारी कोचर भी प्रदर्शन में शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों ने मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार नारे लगाए और महंगाई को नियंत्रित करने के लिए मिल मालिकों और कालाबाजारियों के खिलाफ जानबूझकर सख्त कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। इस अवसर पर, नेताओं ने 29 सितंबर को बड़े गांवों और शहरों में महंगाई के लिए जिम्मेदार केंद्र सरकार के खिलाफ आम जनता की व्यापक भागीदारी के साथ एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की।

इससे पहले, जालंधर के देश भगत यादगार में दोनों पक्षों की संयुक्त बैठक में निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किया गया था।

मुद्रास्फीति के खिलाफ संकल्प

जालंधर में आयोजित भारतीय क्रांतिकारी मार्क्सवादी पार्टी (आरएमपीआई) और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन की संयुक्त प्रांतीय बैठक में आसमान छूती महंगाई, विशेष रूप से चीनी और गुड़ की अप्रत्याशित और भारी मूल्य वृद्धि पर गहरा दुख और कड़ा विरोध व्यक्त किया गया। बैठक में यह दृढ़ मत व्यक्त किया गया कि केंद्र में मोदी सरकार को महंगाई पर नियंत्रण करने की कोई इच्छा नहीं है। सरकार को केवल काले धन के कारोबारियों और चीनी मिल मालिकों के मुनाफे को बढ़ाने और चुनाव जीतने के लिए इन बदमाशों से हजारों करोड़ रुपये का चंदा वसूलने में ही दिलचस्पी है।

बैठक में पार्टी समितियों से आह्वान किया गया है कि वे 29 सितंबर को गांवों और शहरों के गरीब इलाकों में आम जनता की पूर्ण भागीदारी के साथ महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करें।

बैठक में देश और राज्य के मेहनतकश लोगों से अपील की गई है कि वे गांवों और शहरों में असहनीय महंगाई और मोदी सरकार की गरीबों को मारने वाली नीति के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करें।

अन्यों में गुरनाम सिंह दाउद, महिपाल, डॉ. सतनाम सिंह अजनाला, जसवीर कौर, रघबीर सिंह बेनीपाल, सरबजीत सिंह, धरमिंदर सिंह, नरिंदर कौर ने अपने विचार व्यक्त किये।

प्रदर्शन की घोषणा के बाद प्रशासन ने दिखाई संवेदनशीलता, वार्ड-15 में सीवरेज समस्या पर शुरू हुआ काम

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

26 अगस्त (पुनीत महाजन)

वार्ड नंबर 15 में लंबे समय से चली आ रही सीवरेज संबंधी समस्या को लेकर आपकी आवाज़ पार्टी (भारत) द्वारा कल सांकेतिक प्रदर्शन की घोषणा की गई थी। नागरिकों की परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और आज संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सीवरेज व्यवस्था का निरीक्षण किया और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्य शुरू कराया।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक प्रेम पाल चौहान भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सीवरेज लाइन और मैनहोल की सफाई का कार्य शुरू किया गया।

प्रेम पाल चौहान ने कहा कि हमारा उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं का समाधान कराना है। प्रशासन ने हमारी मांग को गंभीरता से लेते हुए मौके पर पहुंचकर काम शुरू कराया, जिसके लिए हम अधिकारियों का धन्यवाद करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की सकारात्मक पहल को देखते हुए प्रस्तावित सांकेतिक प्रदर्शन को रद्द कर दिया गया है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि शुरू किया गया कार्य जल्द पूरा होगा और वार्ड-15 के स्थानीय निवासियों को सीवरेज समस्या से स्थायी राहत मिलेगी।

चौहान ने कहा कि जनता की समस्या सामने आए और उसका समाधान हो जाए, इससे बड़ी बात हमारे लिए कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा कि आपकी आवाज़ पार्टी जनता की समस्याओं को लगातार प्रशासन के समक्ष उठाती रहेगी और जरूरत पड़ने पर उनके समाधान के लिए आवाज बुलंद करती रहेगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के तहत गांव बब्बरी से श्रद्धालुओं की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना

गुरदासपुर(संदीप सन्नी) – मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत गुरदासपुर हलका इंचार्ज रमन बहल ने गांव बब्बरी से श्रद्धालुओं को विभिन्न पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर ब्लॉक समिति गुरदासपुर के चेयरमैन रणजीत सिंह राणा, सरपंच गुरजीव सिंह तथा बड़ी संख्या में गांववासी उपस्थित रहे। यात्रा पर रवाना होने वाली संगत में भारी उत्साह और प्रसन्नता देखी गई।

निःशुल्क यात्रा व सुविधाएं : बहल ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और आराम को ध्यान में रखते हुए विशेष बसों का प्रबंध किया गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के आने-जाने, ठहरने और भोजन सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का पूरा खर्च पंजाब सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। तीर्थ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं ने इस जन-कल्याणकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और हलका इंचार्ज रमन बहल का आभार व्यक्त किया।

चंडीगढ़ 9 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2026 तक मनाएगा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

26 अगस्त (मुकेश डोलिया)

समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा पोषण जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और अंतर-विभागीय समन्वय पर विशेष ध्यान देते हुए 9 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2026 तक 9वां राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जाएगा। यह अभियान चंडीगढ़ के सभी 450 आंगनवाड़ी केंद्रों को कवर करेगा, जिसमें पोषण मेले, पोषण परामर्श, पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शन, विकास निगरानी (ग्रोथ मॉनिटरिंग), प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) गतिविधियां और पीएमएमवीवाई (PMMVY) संतृप्ति अभियान शामिल होंगे।

इस वर्ष के पोषण माह का मुख्य थीम, हमारी आंगनवाड़ी हमारी ज़िम्मेदारी, आहार विविधता, ताज़ा गर्म पका हुआ भोजन, सामुदायिक स्वामित्व, प्रारंभिक बाल विकास और मातृ स्वास्थ्य के लिए पीएमएमवीवाई नकद हस्तांतरण पर केंद्रित होगा। महीने भर चलने वाले इस अभियान की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास सचिव, श्री हरप्रीत सिंह सूदन की अध्यक्षता में संबद्ध विभागों और हितधारकों के साथ एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। निदेशक, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, श्री नवीन ने प्रतिभागी विभागों को पोषण माह के उद्देश्यों और प्रस्तावित गतिविधियों से अवगत कराया।

यह अभियान एक बहु-क्षेत्रीय समन्वय दृष्टिकोण अपनाएगा, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और आयुष विभाग, नगर निगम, एनयूएलएम (NULM), एफएसएसएआई (FSSAI), पीजीआईएमईआर (PGIMER), जीएमसीएच-32 (GMCH-32), जीएमएसएच-16 (GMSH-16), एनएसएस (NSS), नेहरू युवा केंद्र और अन्य हितधारक भाग लेंगे। गतिविधियां विशेष रूप से शुरुआती 1,000 दिनों, मातृ पोषण, स्तनपान, एनीमिया की रोकथाम और बाल विकास पर केंद्रित होंगी। आयुष विभाग पोषण स्क्रीनिंग कैंप, 18 क्लस्टरों में गर्भावस्था योग सत्र, स्वर्ण प्राशन पर एक पायलट प्रोजेक्ट, योग मास्टर ट्रेनर्स की तैनाती और पोषण वाटिकाओं को सुदृढ़ बनाकर इस अभियान में सहयोग देगा। श्री हरप्रीत सिंह सूदन ने सभी प्रतिभागी विभागों और हितधारकों से सार्थक गतिविधियां चलाकर, उन्हें जन आंदोलन डैशबोर्ड पर अपलोड करके और एक स्वस्थ तथा पोषण-सचेत चंडीगढ़ के निर्माण के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देकर इस पोषण जन आंदोलन में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।

मैक्स अस्पताल ने 17 महीने के बच्चे को दिया नया जीवन

» प्रथम न्यूज । मोहाली

26 अगस्त (जगमीत घुम्मन)

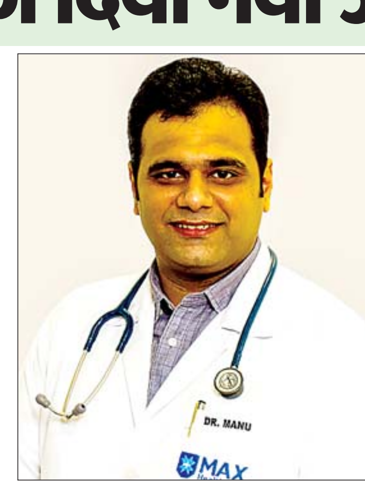

हाल ही में फतेहगढ़ साहिब के 17 महीने के बच्चे, ओमांष वशिष्ठ को मैक्स अस्पताल, मोहाली में एक दुर्लभ ऑटोइम्यून बीमारी का सफल इलाज मिलने के बाद नया जीवन मिला है।

शुरुआत में गंभीर आंतों के संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद उसमें वार्म ऑटोइम्यून हेमोलाइटिक एनीमिया (एआईएचए) नामक एक दुर्लभ ऑटोइम्यून रक्त विकार का निदान हुआ। बच्चे को 10 दिनों से खूनी दस्त और 5 दिनों से तेज बुखार से पीड़ित होने के बाद मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल पहुंचते समय वह अत्यधिक पीला, डिहाइड्रेटेड था और उसे पीलिया था। उसका हीमोग्लोबिन स्तर चिंताजनक रूप से कम था, जिसके लिए तत्काल चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता थी। उसके सभी शुरुआती लक्षण गंभीर आंतों के संक्रमण की ओर इशारा कर रहे थे।

विस्तृत मूल्यांकन के बाद, बाल रोग विभाग के प्रिंसिपल कंसलटेंट डॉ. मनु शर्मा के नेतृत्व में बाल रोग विशेषज्ञों की टीम ने बच्चे में एआईएचए का निदान किया। यह एक दुर्लभ स्थिति है, जिसके बारे में अनुमान है कि यह हर साल 20 वर्ष से कम उम्र के प्रति 10 लाख बच्चों में से लगभग 2 को प्रभावित करती है। इस बीमारी में शरीर की इम्यून सिस्टम गलती से अपनी ही लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट करने लगती है।

बच्चे को तुरंत ब्लड ट्रांसफ्यूजन, एंटीबायोटिक्स और असामान्य प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने वाली दवाएं दी जाने लगीं। इलाज के दौरान उसे चार बार खून चढ़ाया गया और उसके हीमोग्लोबिन के स्तर में धीरे-धीरे सुधार हुआ।

बच्चा अच्छी तरह से ठीक हो गया, सामान्य गतिविधियों में लौट आया और आठ दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद स्थिर स्थिति में उसे छुट्टी दे दी गई।

डॉ. शर्मा ने कहा, माता-पिता और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच लगातार रहने वाले लक्षणों, अकारण थकान और गंभीर एनीमिया के बारे में अधिक जागरूकता, समय पर निदान सुनिश्चित करने और एआईएचए की जटिलताओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

संक्षिप्त न्यूज

औषधीय पौधों के पौधारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– वर्दा ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार वन बीट घण्डीर के जंगल कुठेड़ा तथा वन बीट बलघाड़ के जंगल बल्ह जोल में युवक मंडल मलांगण एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से औषधीय पौधों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। पौधारोपण कार्यक्रम में बीट ऑफिसर घण्डीर अशोक कुमार, वन रक्षक नरेन्द्र कुमार, वन रक्षक बलघाड़ विवेक चन्देल, ग्राम पंचायत मलांगण के उपप्रधान कुलविन्द्र चन्देल, युवक मंडल के सदस्य जसविंदर चन्देल, विकांत कुमार एवं कपिल चन्देल सहित स्थानीय ग्रामीण एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वर्दा ऑर्गेनाइजेशन के सचिव सुधीर चन्देल एवं कोषाध्यक्ष रमाकांत ढटवालिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जंगलों की हरियाली पौधों से ही संभव है और पौधे प्रकृति के सच्चे प्रहरी हैं। पौधे न केवल वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और वातावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि जल संरक्षण में भी सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में पौधारोपण का महत्व और भी बढ़ जाता है। घने वन एवं मजबूत वृक्षों की जड़ें मिट्टी को बांधने का कार्य करती हैं, जिससे भूस्खलन एवं मृदा कटाव को कम करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही वन क्षेत्र जैव विविधता के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संपदा सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वे केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल और हरा-भरा पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ईद-ए-मिलादुन्नबी कार्यक्रम में नासिर सलमानी हुए मुख्य अतिथि

जालंधर (डोगरा)– बस्ती दानिशमंदा, दशहरा में ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन मोहम्मद इशाक प्रधान दानिशमंद में किया जा रहा है। कार्यक्रम में ऑल इंडिया सलमानी वेलफेयर सोसाइटी के नेशनल प्रेसिडेंट नासिर सलमानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में ईद-ए-मिलादुन्नबी की फज़ीलत, पैगंबर हज़रत मोहम्मद की शिक्षाओं और समाज में भाईचारे एवं आपसी एकता का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। साथ में एमपी सुशील रिंकु ऑफिस पिए पिए ओम प्रकाश भगत जी और काउंसलर पुत्र कृष्ण मेनिया जी और भाजपा सीनियर लीडर तरसेम थापा जी नेशनल अध्यक्ष आयुक्त सलमानी मुजम्मिल सलमानी मोहम्मद एजाज व अन्य शामिल हुए।

पंजाब में गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व पर 92 ड्रोन शो

सितंबर से शुरू होंगे विशेष आयोजन, 500 से अधिक ड्रोन दिखाएंगे गुरु साहिब की बाणी और शिक्षाएं

» प्रथम न्यूज । मोहाली
26 अगस्त (एएम नाथ)

पंजाब सरकार श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित साल भर चलने वाले कार्यक्रमों के तहत राज्यभर में 92 विशेष ड्रोन शो आयोजित करेगी। पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुनप्रीत सिंह सोंद ने बुधवार को साहिबजादा अजीत सिंह नगर में तीन जिलों के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान यह जानकारी दी।

मंत्री ने बताया कि विशेष रूप से तैयार किए गए ड्रोन शो सितंबर से शुरू होंगे। प्रत्येक शो में 500 से अधिक ड्रोन एक साथ आकाश में प्रस्तुति देंगे। रात के समय डिजिटल तकनीक के माध्यम से श्री गुरु रविदास जी की बाणी, जीवन और शिक्षाओं को आकाश में प्रदर्शित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य विशेष रूप से युवा पीढ़ी को गुरु साहिब के महान संदेश से जोड़ना है। प्रत्येक शो करीब 25 से 30 मिनट का होगा।

सोंद ने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि ड्रोन शो के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान की जाए और कार्यक्रम की तारीख, समय व स्थान की जानकारी लोगों को पहले से उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास जी के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित डॉक्यूमेंट्री अब तक पंजाब के करीब 3,500 गांवों में दिखाई जा चुकी है। बाकी गांवों तक इसे पहुंचाने के लिए 50 वैन लगातार काम कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि नवंबर में काशी, जम्मू, बठिंडा और फरीदकोट से चार शोभा यात्राएं निकाली जाएंगी, जो खुरालगढ़ साहिब में संपन्न होंगी। काशी से शुरू होने वाली यात्रा मोहाली में रात्रि पड़ाव करेगी।

साल भर चलने वाले कार्यक्रमों का समापन दिसंबर में खुरालगढ़ साहिब में तीन दिवसीय विशेष समारोह के साथ होगा। कार्यक्रमों में कीर्तन दरबार, विश्वविद्यालयों में सेमिनार और स्कूल स्तर की प्रतियोगिताएं भी शामिल हैं।

राखी पर पंजाब की महिलाओं को मान सरकार का तोहफा

'मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत 68.06 लाख महिलाओं को मिला 2,381 करोड़ का लाभ

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
26 अगस्त (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राखी के त्योहार पर 1.37 लाख 'सत्कार सखियों' को 52.20 करोड़ रुपये की सम्मान राशि ट्रांसफर की। गोइंदवाल साहिब में आयोजित 'सत्कार सखी सम्मान समारोह' को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' को घर-घर पहुंचाने में सत्कार सखियों की अहम भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के तहत अब तक 76.11 लाख महिलाओं का पंजीकरण हो चुका है, जबकि 68.06 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में 2,381 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता पहुंचाई जा चुकी है। सरकार ने एक करोड़ महिलाओं को योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। सत्कार सखियों को प्रत्येक पंजीकरण के लिए 300 रुपये मिलेंगे और इससे वे 200 करोड़ रुपये से अधिक कमा सकेंगी। पहली किस्त के तौर पर 100 रुपये प्रति पंजीकरण के हिसाब से 52.20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

मान ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र की पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये और अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है।

यह राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा रही है। सरकार ने योजना के लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री ने सत्कार सखियों से पंजीकृत परिवारों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने और जरूरत के समय उनकी मदद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता परिवार के कल्याण, लैंगिक समानता और सामाजिक-आर्थिक फैसलों में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए जरूरी है।

आप पंजाब महिला विंग की अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. अमनदीप कौर ने सत्कार सखियों और महिला विंग के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इन महिलाओं ने घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने और जरूरतमंद परिवारों को योजना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समारोह में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, हरभजन सिंह ई.टी.ओ., विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

48 बच्चों की पढ़ाई एक शिक्षक के भरोसे

» प्रथम न्यूज । चंबा
26 अगस्त (एएम नाथ)

जिला चंबा की ग्राम पंचायत बसोधन स्थित राजकीय उप-केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला भौंई में 48 बच्चों का भविष्य महज एक अध्यापक के भरोसे है। वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री के चंबा दौरे के दौरान विद्यालय को उप-केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला से केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला बनाने की घोषणा की गई थी, लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बावजूद घोषणा पर ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

घोषणा के बाद भी नहीं मिला भौंई स्कूल को केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला का दर्जा

वर्तमान में विद्यालय में केवल एक अध्यापक कार्यरत है। विशेष चिंता की बात यह है कि इसी अध्यापक को क्षेत्र के चार अन्य स्कूलों का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। इसके अलावा मिड-डे मील, विभागीय कार्यों और विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन भी उसी शिक्षक को करना पड़ रहा है। ऐसे में 48 बच्चों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। विद्यालय की इस गंभीर समस्या को लेकर आदर्श युवक मंडल भौंई (ठेहड़ा) लगातार आवाज उठा रहा है। मंडल के प्रतिनिधि शिमला जाकर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से मुलाकात कर चुके हैं। प्रतिनिधियों ने विद्यालय को केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला का दर्जा देने तथा शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से अभिभावकों और ग्रामीणों में रोष एवं चिंता बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों की शिक्षा से जुड़ी इस महत्वपूर्ण समस्या को लंबे समय तक लंबित रखना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है। स्थानीय ग्रामीणों, अभिभावकों और आदर्श युवक मंडल ने सरकार से मांग की है कि वर्ष 2023 में की गई घोषणा को जल्द अमलीजामा पहनाया जाए। विद्यालय को केंद्रीय प्राथमिक पाठशाला का दर्जा देने के साथ पर्याप्त संख्या में अध्यापकों की नियुक्ति की जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू हो सके और उन्हें बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें।

पांगी-भरमौर में सीबीएसई स्कूल खोलने की विधानसभा में उठी मांग

धरवाला, भरमौर और होली में सीबीएसई स्कूल खोलने की मांग, सदन में बोले डॉ. जनक राज

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 अगस्त (एएम नाथ)

पांगी-भरमौर के विधायक डॉ. जनक राज ने विधानसभा में स्कूली शिक्षा से जुड़े विषय पर चर्चा के दौरान अपने विचार रखते हुए विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्चस्श्व) से संबद्ध स्कूल खोलने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल की आवश्यकता है।

डॉ. जनक राज ने पांगी-भरमौर विधानसभा क्षेत्र के धरवाला, भरमौर और होली में सीबीएसई स्कूल खोलने की मांग सदन के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि इन दुर्गम क्षेत्रों में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। सीबीएसई स्कूल खुलने से क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी शिक्षा का अवसर मिल सकेगा।

विधायक ने कहा कि पांगी-भरमौर जैसे भौगोलिक रूप से कठिन क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की जरूरत है। ग्रामीण और दूरदराज के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अपने घरों से दूर न जाना पड़े, इसके लिए स्थानीय स्तर पर बेहतर शिक्षण संस्थान विकसित किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक शिक्षण पद्धति और बेहतर शैक्षणिक वातावरण की जरूरत है। धरवाला, भरमौर और होली में सीबीएसई स्कूल स्थापित होने से न केवल स्थानीय विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के बच्चों के लिए भी शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

डॉ. जनक राज ने सरकार से मांग की कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन स्थानों पर सीबीएसई स्कूल खोलने की दिशा में जल्द सकारात्मक कदम उठाए जाएं।

एंटी-रेबीज व रेबीज से बचाव के संबंध में जागरूकता पर व्याख्यान आयोजित

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
26 अगस्त (गुरजीत सिंह)

राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में एन.एस.एस और स्ट्रे डॉग परिवेंशन सेल के तत्वाधान में एंटी-रेबीज एवं रेबीज से बचाव के संबंध में जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. अनुज कुमार सहानी ने विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ ललित कुमार गुलेरिया,डॉ जसवंत सिंह,डॉ हरविंदर सिंह, डॉ नरेश कुमार, डॉ दीपक,डॉ अनुज कुमार,डॉ सुनील कुमार शर्मा, डॉ दीपिका जैन और अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित थे इस दौरान रेबीज रोग, इसके संक्रमण, कुत्तों के काटने अथवा खरोंचने के बाद बरती जाने वाली सावधानियों तथा एंटी-रेबीज टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

डॉ. अनुज कुमार सहानी ने बताया कि कुत्तों के काटने के बाद घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोना तथा समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को आवारा एवं पालतू कुत्तों के साथ सुरक्षित व्यवहार करने और कुत्ते के काटने की स्थिति में लापरवाही न बरतने के लिए जागरूक किया। भारत के राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम में भी कुत्तों के काटने के बाद प्राथमिक उपचार और समय पर पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस पर विशेष जोर दिया गया है। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा रेबीज से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ द्वारा सरल एवं प्रभावी ढंग से उत्तर दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रेबीज की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें जिम्मेदार एवं सुरक्षित व्यवहार के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के अंत में एन.एस.एस और डॉग परिवेंशन सेल की ओर से डॉ. अनुज कुमार सहानी का व्याख्यान एवं बहुमूल्य जानकारी प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया गया। और एन.एस.एस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीपिका रानी ने डॉ अनुज कुमार सहानी का धन्यवाद किया।

पांगी में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली पर सदन में गरजे विधायक डॉ. जनक राज

पेट दर्द की जांच के लिए भी पांगीवासियों को जाना पड़ता है बाहर : डॉ. जनक राज

पीएचसी साच का भवन तैयार, फिर भी स्वास्थ्य विभाग को नहीं सौंपा

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 अगस्त (एएम नाथ)

ग्रीष्मकालीन विधानसभा सत्र के दौरान भरमौर-पांगी के विधायक डॉ. जनक राज ने जनजातीय क्षेत्र पांगी में चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि पांगी के लोगों को आज भी सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए कई किलोमीटर दूर दूसरे जिलों और यहां तक कि दूसरे प्रदेशों का रुख करना पड़ रहा है।

डॉ. जनक राज ने कहा कि पांगी में किसी व्यक्ति को पेट दर्द जैसी सामान्य बीमारी होने पर भी अल्ट्रासाउंड अथवा अन्य जरूरी जांच के लिए कुल्लू, मनाली, मंडी या जम्मू तक जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के दावों पर सवाल खड़े करती है। दुर्गम जनजातीय क्षेत्र पांगी में अभी तक ऐसा आदर्श स्वास्थ्य संस्थान विकसित नहीं हो पाया है, जहां लोगों को आवश्यक जांच और उपचार की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकें।

विधायक ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) साच के भवन का मामला भी विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर भवन तैयार किया जा चुका है, लेकिन अभी तक इसे स्वास्थ्य विभाग को सौंपा नहीं गया है। भवन तक पहुंचने वाले करीब 100 से 150 मीटर रास्ते का मामला भी लंबित है। इसके चलते तैयार भवन का लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

डॉ. जनक राज ने कहा कि पांगी के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों, स्टाफ नर्स और फार्मासिस्ट समेत कई महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं। उन्होंने सरकार से इन पदों को जल्द भरने के साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि सरकार को पांगी की भौगोलिक परिस्थितियों और स्थानीय लोगों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य व्यवस्था की योजना बनानी होगी। शिमला और धर्मशाला जैसी सुविधाओं के आधार पर पांगी की स्वास्थ्य व्यवस्था का आकलन नहीं किया जा सकता। दुर्गम क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उनके घर के नजदीक उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

नालागढ़ -गुणाई रूट पर हांफी निगम की पुरानी बस

महिलाओं व बुर्जगों को पैदल जाना पड़ा

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
26 अगस्त (गुरजीत सिंह)

नालागढ़ से गुणाई सड़क पर चलने वाली एकमात्र हिमाचल परिवहन निगम की बस अनियमित रूप से चलने के कारण क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को बस बीच रास्ते में खड़ी हो गई थी जिस कारण लोगों को मीलों पैदल जाना पड़ा। खासकर बुर्जगों व महिलाओं को सामान के साथ काफी परेशानी हुई।

चढियार पंचायत के प्रधान अमरनाथ ठाकुर, पट्टा नाली पंचायत के पूर्व प्रधान प्रेम सिंह ठाकुर,कली राम, वंदना व वंदना ठाकुर ने बताया कि निगम की ओर से नालागढ़ मंधाला खरोटा गुणाई रूट पर हमेशा पुरानी बस भेजी जाती है। यह बस हर दूसरे दिन खराब रहती है।

जब रास्ते मे बस खराब होती है तो निगम की ओर से बदले में कोई दूसरी बस की सुविधा प्रदान नहीं की जाती है। यह बस गुणाई से सुबह 7.30 बजे बरोटीवाला के लिए चलती है फिर दोपहर बाद बरोटीवाला से 3.30 बजे खरोटा गुणाई के लि रवाना होती है।

इस प्रकार यह बस दिन में इसी रूट पर दो ट्रिप लगाती है। बस के रूट पर खड़ा होने से मंधाला, बरोटीवाला स्थित विभिन्न स्कूलों व विश्वविद्यालयों में पड़ने वाले छात्रों तथा विभिन्न उधोगों में काम करने कामगारों को परेशानी उठानी पड़ी। प्रेम सिंह ठाकुर ने बताया कि इस रोड पर आने जाने के लिए कोई और दूसरा साधन उपलब्ध नहीं है और पूरा रास्ता जंगल से होकर जाता है। जिसके कारण लड़कियों और महिलाओं को इस बरसात के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। बस में आने जाने वाली सभी सवारियों ने एचआरटीसी प्रबंधको से अनुरोध किया है कि अगर बस खराब होती है तो समय रहते इसकी जगह दूसरी बस भेजी जाए।

उधर,इस सम्बंध में नालागढ डिपो के आरएम अखिल अग्निहोत्री ने बताया कि मंगलवार को यह बस रूट पर खराब हो गई थी। जिस कारण बुधवार को बरोटीवाला से नई बस भेज कर रूट को चालू किया गया।

कलयुगी मां की करतूत : आशिक के साथ मिलकर बेटी पर ढाया जुल्म, चीखती रही मासूम

» प्रथम न्यूज । पटियाला
26 अगस्त (हरिंदर निक्का)

पटियाला के थाना घग्गा के एक गांव में अपनी बेटी पर हो रहे अत्याचार को मां न सिर्फ खड़े होकर देखती रही, बल्कि पीड़िता की मदद करने के बजाय आरोपी का साथ देती रही। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

दोपहर को हुआ खौफनाक कांड

घटना 23 अगस्त दोपहर लगभग 1 बजे की है। पीड़िता अपने घर के कमरे में बैठी थी। उसे अंदाज़ा भी नहीं था कि जिस घर को वह सबसे सुरक्षित मानती है, वहीं उसकी जिंदगी का सबसे भयानक मंजर सामने आने वाला है।

अचानक कमरे का दरवाजा खुला और अंगरेज सिंह (पुत्र गुरनाम सिंह, निवासी डेरा गुरदासपुरिया, गांव सिवन, जिला कैथल, हरियाणा) अंदर दाखिल हुआ। यह वही अंगरेज सिंह था जो पिछले करीब एक साल से पीड़िता की मां सरबजीत कौर (पत्नी अजैब सिंह) के साथ उसी के घर में रह रहा था।

इज्जत बचाने के लिए तड़पती रही बेटी : कमरे में दाखिल होते ही अंगरेज सिंह ने लड़की के साथ अश्लील हरकतें करना शुरू कर दिया। पीड़िता डर गई, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और अपनी सुरक्षा के लिए विरोध करते हुए चिल्लाना शुरू कर दिया। बात खुलती देख अंगरेज सिंह ने उसकी बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी।

-मां को देखकर उड़े होश - चीखें सुनकर पास ही खड़ी मां सरबजीत कौर आगे आई। बेटी को लगा कि मां उसे बचा लेगी, लेकिन मां-बेटी के रिश्ते को तार-तार करते हुए, आशिक के मोह में अंधी हो चुकी मां ने बेटी की मदद करने के बजाय अंगरेज सिंह का साथ दिया। दोनों ने मिलकर अपनी ही बेटी की बेदर्दी से पिटाई की।

-पुलिस कार्रवाई और गंभीर धाराएं - मामला पुलिस तक पहुंचने पर थाना घग्गा की पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया।

आरोपियों के खिलाफ BNS की धाराओं 74, 115(2), 3(5) और POCSO एक्ट की धारा 8 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

शामली में हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की हत्या, 14 गोलियां मारकर हमलावर फरार

नई दिल्ली (ब्यूरो)– उत्तर प्रदेश के शामली में बुधवार शाम हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नाला पटरी में चार हथियारबंद बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। बताया जा रहा है कि अंकित को करीब 14 गोलियां लगीं। गंभीर हालत में पुलिस उन्हें अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, अंकित बालियान नाला पटरी स्थित म्यूजिकल स्टूडियो और फिटनेस सेंटर में जिम करने के बाद करीब शाम छह बजे बाहर निकले थे। वह अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे थे, तभी चार बदमाशों ने अचानक उन पर गोलियां बरसा दीं। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और इलाके को घेरकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर हमलावरों की पहचान करने में जुटी है।

शामली एसपी नरेंद्र प्रताप ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित करने की बात कही। हत्या के कारण और हमलावरों की पहचान को लेकर जांच जारी है।

जम्मू में NCB का बड़ा एक्शन, 5.160 किलो हेरोइन बरामद; मास्टरमाइंड समेत 3 गिरफ्तार

जम्मू (ब्यूरो)– जम्मू-कश्मीर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने पाकिस्तान से जुड़े कथित हेरोइन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 5.160 किलो हेरोइन जब्त की है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड भी शामिल है। NCB को 22 अगस्त को हेरोइन तस्करी से जुड़ी खुफिया जानकारी मिली थी। इसके आधार पर टीम ने जम्मू के पंजतीर्थी इलाके में एक वाहन को रोककर तलाशी ली। वाहन में सवार बारामूला निवासी दो लोगों के पास से बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद हुई। दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ के दौरान NCB को नेटवर्क से जुड़े एक अन्य व्यक्ति के बारे में अहम जानकारी मिली। जांच में सामने आया कि बारामूला निवासी यह शख्स कथित तौर पर नेटवर्क का मास्टरमाइंड और सप्लायर है। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। NCB ने उसे लद्दाख के लेह में ट्रेस कर 24 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया।

प्रारंभिक जांच में बरामद हेरोइन के पाकिस्तान से आने के संकेत मिले हैं। एजेंसी को आशंका है कि खेप उरी बॉर्डर सेक्टर के रास्ते भारत में लाई गई थी। NCB अब इस नेटवर्क की पूरी कड़ी खंगाल रही है। जांच में सीमा पार बैठे संभावित सप्लायरों, स्थानीय मददगारों, ट्रांसपोर्टरों और पैसों के लेन-देन की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद हेरोइन की आगे सप्लाई कहां और किन लोगों को की जानी थी।

हिमाचल में फिलहाल नई ट्रांसफर पॉलिसी नहीं

2013 के संशोधित नियमों से होंगे तबादले

» प्रथम न्यूज । शिमला
26 अगस्त (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिए फिलहाल अलग से कोई नई नीति बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार वर्ष 2013 में जारी वृहद मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत ही स्थानांतरण प्रक्रिया संचालित कर रही है।

ऊना के विधायक सतपाल सिंह सत्ती के प्रश्न के लिखित उत्तर में सरकार ने बताया कि कर्मचारियों के स्थानांतरण को विनियमित करने के लिए 10 जुलाई 2013 को कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इन्हें उच्च न्यायालय के विभिन्न मामलों में पारित आदेशों की अनुपालना और मंत्रिमंडल उपसमिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार किया गया था।

सरकार ने कहा कि प्रशासनिक आवश्यकता के अनुसार इन सिद्धांतों में समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। वर्तमान में संशोधित वृहद मार्गदर्शी सिद्धांत

पूरी तरह प्रभावी हैं। इनके तहत सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से स्थानांतरण किए जा रहे हैं। इसलिए अलग स्थानांतरण नीति बनाने की फिलहाल कोई आवश्यकता नहीं है।

आर्थिक स्थिति सुधरते ही मिलेगा डीए लाभ

विधानसभा में सरकार ने स्पष्ट किया है कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के तहत कार्यरत कर्मचारियों का कुल 15 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) लंबित है।

विधानसभा में एक विधायक के सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने बताया कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होते ही लंबित 6 किस्तों की यह राशि जारी कर दी जाएगी। दूसरी ओर, न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) और यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत कार्यरत कर्मचारियों को केंद्र की तर्ज पर वर्तमान में पूरा 60 प्रतिशत डीए दिया जा रहा है और उनकी कोई भी किस्त बकाया नहीं है।

यदि केंद्र और राज्य के डीए में अंतर रहता, तो इन कर्मचारियों के पेंशन खातों में अंशदान कम जमा होता, जिसका सीधा असर उनके भविष्य के पेंशन लाभों पर पड़ता। इसलिए इन्हें केंद्र की तर्ज पर पूरा 60 प्रतिशत डीए दिया जा रहा है।

ओपीएस कर्मचारियों को वर्तमान में 45 प्रतिशत डीए मिल रहा है, जो 15 अक्टूबर 2025 से प्रभावी है। केंद्र की 60 प्रतिशत की दर के मुकाबले इनमें 15 प्रतिशत का अंतर बना हुआ है। लंबित 6 किस्तों में 1 जुलाई, 2023 से 1 प्रतिशत, 1 जनवरी, 2024 से 4 प्रतिशत, 1 जुलाई, 2024 से 3 प्रतिशत, 1 जनवरी, 2025 से 2 प्रतिशत, 1 जुलाई, 2025 से 3 प्रतिशत, 1 जनवरी, 2026 से 2 प्रतिशत है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि डीए भुगतान में देरी की मुख्य वजह राज्य की वित्तीय स्थिति है।

पुंछ में गहरी खाई में गिरा वाहन, 6 की मौत

» प्रथम न्यूज । पुंछ
26 अगस्त (ब्यूरो)

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार से पांच लोगों के घायल होने की सूचना है। हादसा जिले के सुरनकोट इलाके में शिएंद्रा के पास हुआ, जहां एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से फिसलते हुए गहरी खाई में जा गिरा। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा इतना भीषण था कि वाहन के खाई में गिरने के बाद उसमें सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। घायलों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मृतकों की पहचान और हादसे के सही कारणों का अभी पता लगाया जा रहा है।

शिएंद्रा के पास हुआ हादसा, चार से पांच लोग घायल

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन के अनियंत्रित होने के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुंछ और आसपास के पहाड़ी इलाकों में घुमावदार और संकरी सड़कें होने के कारण सड़क हादसों का खतरा बना रहता है। प्रशासन की ओर से वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

पाकिस्तान के PIMS अस्पताल में भीषण आग, 15 नवजातों की मौत

AC कंप्रेसर में विस्फोट के बाद भड़की आग

इस्लामाबाद (एजेंसी)– पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (PIMS) अस्पताल में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से कई नवजात बच्चों की मौत हो गई। शुरुआती रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 14 से 15 बताई जा रही है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, घटना के समय नर्सरी में 16 नवजात थे, जिनमें से केवल एक को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

बताया जा रहा है कि आग अस्पताल के गायनेकोलॉजी एवं मदर-चाइल्ड हेल्थ वार्ड की नर्सरी में सुबह करीब 6:45 से 7 बजे के बीच लगी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, एयर कंडीशनिंग सिस्टम के कंप्रेसर में विस्फोट के बाद आग भड़की। हालांकि, आग के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। आग की सूचना मिलते ही दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया और इसके बाद किसी दोबारा आग लगने की आशंका को देखते हुए कूलिंग ऑपरेशन चलाया गया। घटना की जांच के लिए अधिकारियों ने जांच समिति गठित करने की प्रक्रिया शुरू की है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। हादसे के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान अमृतसर के गांव चविंडा में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम में पहुंचे

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
26 अगस्त (साहिब दयाल)

अमृतसर के चविंडा देवी में विशाल 'लोक मिलनी' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मजीठा के लोग अब नया राजनीतिक अध्याय लिखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पिछली सरकारों की परचे, गुंडागर्दी और डर की राजनीति का मुकाबला अपनी सरकार द्वारा नौकरियों, स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और विकास के बनाए रिकॉर्ड से किया।

मुख्यमंत्री ने बेअदबी के मुद्दे और सुखबीर बादल पर हुए हमले को लेकर अकालियों के रवैये पर भी निशाना साधा। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार ने न कोई कैश, न कोई सिफारिश के सिद्धांत के साथ केवल योग्यता के आधार पर 70 हजार सरकारी नौकरियां दी हैं और सरकारी स्कूलों में इतना सुधार किया है कि विद्यार्थी अब जेईई और नीट की परीक्षाएं पास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मजीठा विधानसभा क्षेत्र के लोग अब नया अध्याय लिखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पिछली सरकारों ने इस क्षेत्र को झूठे मामलों, गुंडागर्दी और डर की राजनीति के अलावा कुछ नहीं दिया, जबकि हम पूरे पंजाब में बेहतर स्कूलों, अस्पतालों, नौकरियों के साथ-साथ विकास की अपनी गारंटियां पूरी कर रहे हैं। इस अभूतपूर्व प्यार और अटूट समर्थन के लिए मजीठा के लोगों का तहे दिल से धन्यवाद। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जिस अकाली नेतृत्व ने पूरे राज्य में बेअदबियां करवाईं, आरोपियों से संबंधित सबूत नष्ट किए, निर्दोष लोगों पर गोलीबारी के आदेश दिए और कई अन्य पाप किए, वह अब पंजाब की सत्ता में वापस आने के लिए जल्दबाजी में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक मिलनी में लोगों की भारी भागीदारी दर्शाती है कि वे 2027 में एक नई कहानी लिखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, पहले पंजाब पर केवल एक परिवार का शासन था, जिन्होंने लोगों को अपना गुलाम बनाकर रखा,

मुख्यमंत्री मान ने कहा कि साढ़े चार साल के कार्यकाल के बाद वह लोगों से किए प्रत्येक वादे और गारंटी को पूरा करके आज लोगों के सामने खड़े हैं।

उनके साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया और अनेक परिवार बर्बाद कर दिए। उन्होंने कहा कि 2022 में पद संभालने के बाद हमारी सरकार ने पंजाब के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया और बिजली, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार किए। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि साढ़े चार साल के कार्यकाल के बाद वह लोगों से किए प्रत्येक वादे और प्रत्येक गारंटी को पूरा करके आज लोगों के सामने खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं लोगों को याद करवाता हूं कि पहले माझा की इस पवित्र धरती पर गुंडों और समाज विरोधी तत्वों का बोलबाला था। एक तरफ बाजवे थे और दूसरी तरफ वल्टोहा और उसका बदनाम आका था। इन लोगों ने यहां दहशत का माहौल बना रखा था और लोग डर तथा सहम के माहौल में रहने के लिए मजबूर थे। इन लोगों ने पंजाब में नशे लाए और हमारी पीढ़ियां बर्बाद कर दीं। उन्होंने कहा, प्रत्येक महिला को 1,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, जबकि अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।

यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। पहले से सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही महिलाएं भी इस योजना के लिए पात्र होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है और राज्य सरकार ने इसे लागू करने के लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

पंजाब में गुटबाजी खत्म करने राहुल की पहल, सितंबर में 135 किमी बस यात्रा

चन्नी-वाडिंग समेत बड़े नेता एक बस में दिखेंगे

संगठन मजबूत करने के साथ चुनावी अभियान का आगाज

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
26 अगस्त (एएम नाथ)

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने संगठन को एकजुट करने की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी सितंबर के पहले हफ्ते में पंजाब में करीब 135 किलोमीटर लंबी बस यात्रा निकाल सकते हैं। यात्रा की शुरुआत अमृतसर के हरमंदिर साहिब में मत्था टेकने के बाद होगी और यह हुसैनीवाला तक जाएगी। यात्रा पंजाब के तीनों प्रमुख क्षेत्रों माझा, दोआबा और मालवा से होकर गुजरेगी। राहुल गांधी की इस यात्रा का सबसे अहम मकसद पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी को खत्म कर एकजुटता का संदेश देना है। प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वाडिंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच लंबे समय से मतभेद बताए जाते हैं। वहीं सुखजिंदर सिंह रंधावा भी वाडिंग विरोधी खेमे में माने जाते हैं। सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी के साथ बस में चन्नी, वाडिंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और रंधावा समेत प्रमुख नेता मौजूद रह सकते हैं।

कांग्रेस आलाकमान ने फिलहाल प्रदेश अध्यक्ष बदलने और किसी नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने से इनकार किया है। इसके बावजूद गुटबाजी लगातार पार्टी के लिए चुनौती बनी हुई है।

यात्रा के जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने की कोशिश होगी कि शीर्ष नेतृत्व के बीच मतभेद खत्म हो गए हैं। साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने का लक्ष्य है। पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने राहुल और प्रियंका गांधी से मुलाकात कर यात्रा का रोडमैप तैयार करने पर चर्चा की है। सूत्रों के मुताबिक यात्रा की सफलता के आधार पर आगे दूसरी यात्रा की योजना भी बनाई जा सकती है। टिकट वितरण में पंजाब के नेताओं को अधिक भूमिका देने पर भी विचार चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-NC गठबंधन में बढ़ीं दूरियां

जम्मू (ब्यूरो) – जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला सरकार के संभावित कैबिनेट विस्तार से पहले कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) के बीच दूरी बढ़ती नजर आ रही है। कांग्रेस ने फिलहाल उमर सरकार में शामिल होने को लेकर कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है। वहीं, NC की ओर से कांग्रेस को सरकार में शामिल होने का नया प्रस्ताव दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस मंत्रिपरिषद में शामिल होने को लेकर अभी असमंजस में है। दोनों दलों के बीच पिछले साल राज्यसभा सीटों के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। कांग्रेस ने NC पर सहयोगी दल के साथ धोखा करने का आरोप लगाया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर कांग्रेस नेतृत्व ने पार्टी आलाकमान से NC के साथ गठबंधन की समीक्षा करने की मांग भी की थी। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर विधानसभा में छह विधायक हैं और उमर अब्दुल्ला सरकार के लिए उसका समर्थन महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि, सरकार में शामिल होने को लेकर पार्टी का रुख अब तक साफ नहीं हुआ है। जम्मू-कश्मीर में छह साल से अधिक समय तक सीधे केंद्रीय शासन के बाद अक्टूबर 2024 में निर्वाचित सरकार बनी थी।

केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के पास केंद्र शासित प्रदेश के कई महत्वपूर्ण मामलों में व्यापक अधिकार हैं। ऐसे में कांग्रेस-NC के रिश्तों में बढ़ती खटास सरकार के कामकाज और गठबंधन की भविष्य की राजनीति पर असर डाल सकती है।

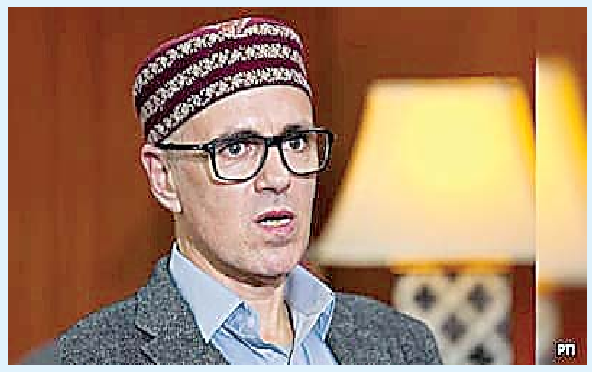
PTI

न्यूयॉर्क पहुंचे मोहन भागवत, मैडिसन स्क्वायर गार्डन में 5 हजार लोगों को करेंगे संबोधित

» प्रथम न्यूज । न्यूयॉर्क
26 अगस्त (एजेंसी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयॉर्क पहुंचे। संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत भागवत अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की यात्रा कर रहे हैं। न्यूयॉर्क पहुंचने पर उनका तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

अपने प्रवास के दौरान भागवत 'यूनिवर्सल वननेस' (सार्वभौमिक एकता) कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शनिवार को वह न्यूयॉर्क के मशहूर मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में करीब 5,000 लोगों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन 'अहेड फोरम' (अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलाग फोरम) कर रहा है।

अहेड फोरम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कार्यक्रम को लेकर कहा कि इसका संदेश शाश्वत और सार्वभौमिक है–दुनिया एक परिवार है। फोरम के मुताबिक कार्यक्रम लोगों से बनावटी विभाजनों और मतभेदों से ऊपर उठने, मानवता को जोड़ने वाले संबंधों को पहचानने तथा आपसी सम्मान, सद्भाव और एकता की भावना अपनाने का आह्वान करता है।

भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने किया विरोध, निजी आयोजन रद्द करने के अधिकार पर संशय

'दुनिया एक परिवार' का संदेश देंगे मोहन भागवत, यूनिवर्सल वननेस कार्यक्रम में होंगे शामिल

इस बीच, न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत के कार्यक्रम का विरोध जताया है। ममदानी ने मंगलवार को कहा कि वह मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले उस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते, जिसमें आरएसएस प्रमुख भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करेंगे।

हालांकि, मेयर ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि न्यूयॉर्क शहर के पास किसी निजी स्थल पर आयोजित कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार है या नहीं। ममदानी के बयान के बाद भागवत के कार्यक्रम को लेकर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। आयोजकों का कहना है कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर एकता, संवाद और सद्भाव का संदेश पहुंचाना है।